E-PAPER

थिंक राजस्थान

जयपुर 18 अक्टूबर, 2026 रविवार

▪ वर्ष: 1 ▪ अंक: 95 / पृष्ठ 8 / अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) — सोच नई, राजस्थान के लिए — मूल्य : ₹10 / प्रभात / RNI NO.: RJMUL/26/A4290

ब्रीफ न्यूज

जयपुर के कई इलाकों में तेज बरसात: 6 डिग्री गिरा तापमान

जयपुर। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण मौसम में बदलाव हुआ है। जयपुर में शनिवार शाम को मौसम बदला और कई इलाकों में तेज बारिश हुई। प्रदेश में मौसम बदलने से अधिकतम तापमान 6 डिग्री तक गिर गया है। सबसे कम तापमान अलवर में 27 डिग्री रहा, जबकि माउंट आबू में पारा 27.7 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। पिछले 24 घंटे में जयपुर, जोधपुर, अजमेर, पाली, दौसा, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, टोंक, करौली में तेज हवा के साथ बारिश हुई। बारिश से खेतों में कटी फसल के खराब होने की आशंका है।

एयरपोर्ट पर यात्री के बैग में मिला जिंदा कारतूस, पूछताछ जारी

जयपुर। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच के दौरान एक यात्री के बैग में जिंदा कारतूस मिलने से हड़कंप मच गया। यात्री कोलकाता जाने के लिए एयरपोर्ट पहुंचा था। इसी दौरान नियमित सुरक्षा जांच में उसके बैग से जिंदा कारतूस बरामद हुआ। कारतूस मिलने के बाद एयरपोर्ट पर तैनात सुरक्षा एजेंसियों को इसकी सूचना दी गई। इसके साथ ही एयरपोर्ट थाना पुलिस को भी मामले से अवगत कराया गया। दरअसल, यात्री पश्चिम बंगाल का निवासी बताया जा रहा है।

एसआई भर्ती परीक्षा पेपरलीक केस में एक और आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपरलीक केस

में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि आरोपी सुनील भादू(30) ने पेपर लीक गिरोह के सदस्य भूपेंद्र सारण और सुरेश ढाका के साथ मिलकर परीक्षा से पहले अभ्यर्थियों को लीक हुआ सॉल्वड पेपर पढ़ाया था। जांच के अनुसार, आरोपी ने इस पूरे मामले में हैंडलर की भूमिका निभाई थी। एसओजी ने आरोपी को 15 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। उसे कोर्ट में पेश कर 17 अक्टूबर तक पुलिस रिमांड मिला था। अब कल फिर आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा। एडीजी एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि सुनील भादू निवासी भादुओं की ढाणी, हेमागुड़ा, थाना झाब, जिला जालोर का नाम एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में सामने आया था।

» अंदर विशेष

▪ कर्तव्यों के पालन से ही साकार होगी रामराज्य की अवधारणा: सीएम ...पेज 2

▪ नशा तस्करों पर बड़ी कार्रवाई, 46.09 लाख की संपत्तियां फ्रीज ...पेज 4

अमेरिका से आई बड़ी खुशखबरी

ट्रंप ने दी रूस पर लगाए तेल प्रतिबंधों में छूट भारत को 100% टैरिफ से मिलेगी राहत

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कार्यकारी आदेश से लिए फैसले में बोले राष्ट्रपति, अमेरिका के राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर अभी के लिए लिया फैसला

अमेरिका से भारत के लिए राहत की एक बड़ी खबर आई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से बड़े पैमाने पर तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर लगाए जाने वाले भारी-भरकम प्रतिबंधों और शुल्कों जैसे 100% टैरिफ को फिलहाल हटा दिया है। बीते शुक्रवार देर रात एक कार्यकारी आदेश के जरिए यह निर्णय लेने के बाद उन्होंने बताया कि मैंने यह छूट 'लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' कानून के जरिए दी है और इसे लेकर कांग्रेस (अमेरिकी संसद) को एक प्रमाणपत्र सौंप दिया है। जिसमें यह स्पष्ट किया कि मेरा यह फैसला सिर्फ अभी के लिए देश के राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

ऐसे में यहां ये उल्लेख करना भी जरूरी हो जाता है कि भविष्य में ट्रंप जब चाहें रूस से जुड़े प्रतिबंधों को फिर से लगा सकते हैं। वहीं, विदेश मंत्री मार्को रुबियो 17 से 22 अक्टूबर तक भारत की यात्रा पर रहेंगे। उनके स्वदेश पहुंचने से पहले ट्रंप प्रशासन द्वारा यह अहम जानकारी सार्वजनिक की गई है।

यह छूट 'लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' कानून के जरिए दी

ठीक 24 घंटे पहले लिया यू टर्न

गौरतलब है कि पिछले सितंबर महीने में अमेरिका के राष्ट्रपति ने इस कानून पर हस्ताक्षर किए थे। जिसका एकमात्र उद्देश्य रूस के पेट्रोलियम उत्पादों (तेल, गैस) के दुनिया में टॉप टेन खरीदार देशों (भारत, चीन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), तुर्किये, सिंगापुर, हंगरी, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, अजरबैजान और स्लोवाकिया) से अमेरिका को होने वाले सभी तरह के सामान के निर्यात पर सख्त पाबंदियां लगाना था। रूस की अर्थव्यवस्था पर इससे दुष्प्रभाव पड़ेगा और आखिरकार वह यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध को आगे बढ़ाने में सफल नहीं होगा। कानून के मुताबिक अपने इस फैसले को अमलीजामा पहनाने के लिए राष्ट्रपति के पास 30 दिन यानी एक महीने की समयसीमा थी। जिसकी मियाद 18 अक्टूबर 2026 को समाप्त हो रही थी। लेकिन उससे ठीक एक दिन पहले उक्त फैसले की घोषणा कर दी गई है।

सीनेटर ग्राहम के नाम पर रखा नाम

इस कानून का नामकरण राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका के एक पूर्व सांसद लिंडसे ग्राहम के नाम पर रखा था। जो वाशिंगटन डीसी में यूक्रेन के सबसे बड़े समर्थक थे। उनका इसी साल जुलाई महीने में कीव की यात्रा से लौटने के बाद निधन हो गया था। कानून में ऊपर बताए गए देशों से अमेरिका जाने वाले सामान पर भारी भरकम टैरिफ लगाने के अलावा कई रूसी संस्थानों पर प्रतिबंध लगाने, मॉस्को से वाशिंगटन डीसी जाने वाले ऊर्जा उत्पादों पर 500% तक टैरिफ लगाने का बेहद कड़ा प्रावधान किया गया है। पूरी कवायद में अमेरिकी प्रशासन ने रूस की वित्तीय व्यवस्था को डांवाडोल करने की मंशा के साथ रूस के अधिकारियों, बैंकों, ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी संस्थाओं तथा सैन्य अभियानों का समर्थन करने वाली विदेशी इकाइयों को निशाना बनाने की तैयार को पुख्ता किया है।

भारत ने नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति की टैरिफ प्रतिबंधों को हटाने की घोषणा पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। भविष्य में इसकी उम्मीद की जा सकती है। लेकिन टैरिफ के मामले को लेकर विदेश मंत्रालय ने बीते समय में कई मौकों पर देश का रुख साफ किया है। जिसमें ये कहा था कि भारत अपने ऊर्जा उत्पादों का दुनिया के विभिन्न देशों से आयात करता है। हमारे इस निर्णय में 140 करोड़ आमजनता की घरेलू जरूरतों को हर हाल में पूरा करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। जहां तक कच्चे तेल, डीजल के विश्व से होने वाले विविधतापूर्ण आयात का मामला है। तो उसे लेकर हम अपनी जरूरतों की पूर्ति के अलावा वैश्विक बाजारों में बने हुए हालात के आकलन के आधार पर फैसला करते हैं। उधर, ट्रंप पर जब इस कानून पर हस्ताक्षर किए थे। तब भी भारत ने मामले पर अपनी सभी चिंताओं से अमेरिकी प्रशासन को अवगत करा दिया था।

कोलकाता के दुर्गा पंडाल में भगदड़, 19 मरे: 25 घायल

91 साल पुराना है चोरबागान पूजा पंडाल बारिश से बचने घुसी भीड़, एक-दूसरे पर गिरे लोग

आयोजन समिति में सीएम शुभेंदु का भतीजा, 12 लोगों को हिरासत में लिया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में शनिवार शाम चोरबागान दुर्गा पंडाल में भगदड़ मच गई। हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में दो बच्चे भी शामिल हैं। हालांकि, कोलकाता मेडिकल कॉलेज के सूत्रों ने 20 लोगों की मौत का दावा किया है। हादसे में 45 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

कोलकाता पुलिस के मुताबिक, शाम को बारिश होने लगी, इससे बचने के लिए कई लोग पंडाल के अंदर रुक गए। शाम 7:40 बजे बाहर खड़ी भीड़ भी पंडाल में आने की कोशिश करने लगी। इससे धक्का-मुक्की होने लगी और भगदड़ मच गई। हादसे के बाद पंडाल की लाइटें बंद कर दी गईं और लोगों की एंट्री रोक दी गई। शहर के कई दूसरे दुर्गा पूजा पंडाल भी बंद करा दिए गए हैं। गौरतलब है कि कोलकाता में दुर्गा पूजा के लिए लगभग 3500 पंडाल बनाए गए हैं। सरकार ने हेल्पलाइन नंबर 18003455678 जारी किया है। आयोजन समिति से देवदीप अधिकारी भी जुड़े हुए हैं। वह मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के भतीजे हैं। जोड़ासांको से भाजपा विधायक विजय ओझा इस पूजा समिति के अध्यक्ष हैं। उत्तर कोलकाता जिला भाजपा अध्यक्ष तमोघ्न घोष भी इस आयोजन से जुड़े हैं। शनिवार रात कोलकाता पुलिस ने 12 लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें चोरबागान दुर्गा पूजा के आयोजक और वॉलेंटियर समेत दूसरे लोग भी शामिल हैं। माना जा रहा है कि इन्हीं की लापरवाही के कारण उत्तरी कोलकाता की दुर्गा पूजा में भीड़ का प्रबंधन ठीक से नहीं हो पाया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार लोगों से पूछताछ की जा रही है ताकि पता चल सके कि आज की यह घटना किस वजह से हुई। अगर कोई लापरवाही पाई जाती है, तो हम कानून के अनुसार कार्रवाई करेंगे। कोलकाता में चोरबागान की तरह ही 'ताला प्रत्यय', 'अलीपुर सार्वजनीन', 'चेतला अग्रानी' और 'बालीगंज सार्वजनीन' जैसी भारी भीड़ खींचने वाले पूजा पंडाल भी हैं। प्रशासन ने इनके आयोजकों से कहा है कि वे लोगों का प्रवेश रोक दें। एलन पार्क में होने वाले कार्यक्रम को भी रद्द कर दिया गया है।

महंगाई के खिलाफ 8 लाख लोग सड़कों पर

फ्रांस: राष्ट्रपति भवन से 400 मीटर दूर हिंसक प्रदर्शन, इमारत जलाई

पेरिस। फ्रांस में बढ़ती महंगाई और ईंधन की कीमतों के विरोध में शनिवार को 8 लाख लोग सड़कों पर उतरे। फ्रांस 24 की रिपोर्ट के मुताबिक राजधानी पेरिस में राष्ट्रपति भवन एलिजे पैलेस से महज 400 मीटर दूर प्रदर्शनकारियों ने हिंसक प्रदर्शन किया और गाड़ियों में आग लगा दी।

वहीं, लिमोज शहर में नकाबपोश प्रदर्शनकारियों ने टाउन हॉल में आग लगा दी। इससे 143 साल पुरानी इमारत लगभग पूरी तरह तबाह हो गई। देश के कई हिस्सों में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव की स्थिति बनी रही। फ्रांस में करीब एक महीने से प्रदर्शन चल रहे हैं। शुरुआत स्कूली छात्रों के विरोध से हुई थी, जो धीरे-धीरे सामाजिक आंदोलन में बदल गया है।

एक छोटे से स्कूल से शुरू हुआ आंदोलन, देशभर में फैला

21 सितंबर को पेरिस के लाइसी सेंट-एक्सूपेरी स्कूल के छात्रों ने विरोध प्रदर्शन शुरू किया। यह स्कूल ऐसे इलाके में है जहां बेहद गरीब लोग रहते हैं। छात्रों की मांग थी कि स्कूल में शिक्षकों और संसाधनों की कमी दूर की जाए। 29 सितंबर को प्रशासन ने स्कूल में अतिरिक्त स्टाफ भेजा जिसके बाद हड़ताल खत्म हो गई, लेकिन तब तक दूसरे इलाकों में भी विरोध शुरू हो चुका था। सिर्फ 8 दिन में आंदोलन 410 स्कूलों तक फैल चुका था। इसके बाद विश्वविद्यालयों के छात्र भी आंदोलन में शामिल हो गए। छात्रों को उनके माता-पिता, शिक्षकों और मजदूर संगठनों का भी समर्थन मिला। 5 अक्टूबर को उत्तरी फ्रांस के लेंस शहर में प्रदर्शन के दौरान पुलिस के एक ग्रेनेड से 15 साल के एक लड़के का हाथ बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसे काटना पड़ा। इस घटना ने पुलिस की सख्त कार्रवाई को लेकर लोगों के गुस्से को और बढ़ा दिया फ्रांस में इससे पहले स्कूली छात्रों के किसी आंदोलन में इतनी बड़ी संख्या में हिंसक घटनाएं नहीं देखी गई थीं। अब तक देशभर में हुई झड़पों में 200 से ज्यादा छात्र, स्कूलों के 85 कर्मचारी और 700 पुलिसकर्मी घायल हो चुके हैं।

सुप्रीम कोर्ट बोला- बच्चों को इंटरनेट से दूर रखना बेतुका

बाल यौन शोषण कंटेंट हटाने के लिए डेटाबेस बने; 5 साल में केस 26.6 गुना बढ़े

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इंटरनेट का इस्तेमाल करना हर व्यक्ति, यहां तक कि बच्चों का भी मौलिक अधिकार है। बच्चों को इंटरनेट से पूरी तरह दूर रखना बेतुका होगा। कोर्ट ने कहा कि बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा और उनकी आजादी, दोनों का ध्यान रखना जरूरी है। कोर्ट ने कहा- इंटरनेट पर गलत कंटेंट होने के कारण बच्चों के लिए इस पर पूरी तरह पाबंदी लगाना सही नहीं है। ऐसी रोक से बच्चे कम सुरक्षित वेबसाइटों और प्लेटफॉर्म पर जा सकते

हैं। ऑनलाइन धमकी या शोषण का सामना करने वाले बच्चे शिकायत करने से भी डर सकते हैं।

कोर्ट ने बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़े ऑनलाइन कंटेंट (CSEAM) को पहचानने और हटाने की व्यवस्था मजबूत करने के लिए केंद्र को नेशनल डेटाबेस बनाने का निर्देश दिया है। सोशल मीडिया कंपनियों को भी ऐसा कंटेंट हटाने के दो घंटे के भीतर पुलिस या साइबर क्राइम पोर्टल को रिपोर्ट देनी होगी।

RSS महिला संगठन प्रमुख बोलीं-

जंतर-मंतर प्रदर्शन देश में अराजकता फैला रहे है

जेन-जी का ब्रेनवॉश कर रहा दिमागी नक्सलवाद

नागपुर। RSS के महिला संगठन, राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख वी. शांताकुमारी ने जंतर-मंतर पर हो रहे विरोध प्रदर्शनों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ये प्रदर्शन भारत में अस्थिरता पैदा कर रहे हैं और देश की मौजूदा स्थिति चिंता का विषय है। उन्होंने कहा- दिमागी नक्सलवाद जहरीले विचारों का सबसे खतरनाक और अदृश्य इकोसिस्टम है। यह जेन-जी का ब्रेनवॉश कर रहा है। युवाओं और महिलाओं के मन में भी अशांति पैदा कर रहा है। उन्हें भड़का रहा है।

शांताकुमारी ने ये बातें 16 अक्टूबर को नागपुर में राष्ट्र सेविका समिति के वार्षिक विजयादशमी उत्सव और शस्त्रपूजन कार्यक्रम

को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने जंतर-मंतर पर हो रहे प्रदर्शनों को असंवैधानिक बताया। राष्ट्र सेविका समिति RSS का महिला संगठन है। इसकी प्रमुख संचालिका वी. शांताकुमारी को शांताक्का के नाम से भी जाना जाता है। शांताकुमारी ने कहा- हमने जंतर-मंतर पर लगातार प्रदर्शन देखे हैं। हम इन्हें असंवैधानिक प्रदर्शन कह सकते हैं।

कैंसर की 137 दवाओं पर मुनाफा 30% तय

नई दिल्ली। दवाओं की कीमत तय करने वाली नेशनल फॉर्मास्यूटिकल्स प्राइसिंग अथॉरिटी (NPPA) ने 137 नॉन-शेड्यूल्ड कैंसर दवाओं पर मुनाफा 30 फीसदी तय कर दिया है। यह फैसला 9 नवंबर से लागू होगा। इससे इन जीवनरक्षक दवाओं की रिटेल कीमतें मौजूदा कीमतों के आधार पर 70% तक घट सकती हैं। शनिवार को इस बारे में गजट नोटिफिकेशन जारी किया गया।

दो दिन पहले केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में बताया था कि कैंसर दवाओं पर मुनाफे की सीमा 30 फीसदी तय करने से मरीजों को सालाना करीब 2,500 करोड़ रुपए की बचत होने की उम्मीद है। कीमतें कम करने की सिफारिश डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (DGHS) के तहत बनी विशेषज्ञ समिति ने की थी। समिति में देशभर के प्रमुख ऑन्कोलॉजिस्ट, मेडिकल विशेषज्ञ, अस्पतालों के विशेषज्ञ और सरकारी अधिकारी शामिल थे।

दीपके को 24 घंटे के अंदर जमानत: नेहा बोरा रिहा

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके को शनिवार को जमानत मिल गई। उन्हें 50 हजार रुपए का बेड बॉन्ड भी भरना पड़ा। दीपके को दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार देर रात गिरफ्तार किया था। उन्हें शुक्रवार को कनॉट प्लेस में 'लहरा दो तिरंगा' रैली से पहले हिरासत में लिया गया था। 8 दिन में दीपके के खिलाफ यह दूसरी बार कार्रवाई है। इससे पहले 10 अक्टूबर को उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर विमान से हिरासत में लिया गया था। अगले दिन वे रिहा हो गए थे। वहीं नेहा बोरा को भी शनिवार को रिहा कर दिया गया। उधर SIR के विरोध में कांग्रेस की रामलीला मैदान में 1 नवंबर को रैली होगी। कांग्रेस ने दिल्ली पुलिस से पहले ही इसकी इजाजत ले ली है। ***पेज 8 भी पढ़ें***

बच्चों को ऑनलाइन यौन शोषण सामग्री से बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट सख्त

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चाइल्ड मोड (बच्चों के लिए सुरक्षित मोड) लागू होना चाहिए

इंटरनेट हर व्यक्ति का मौलिक हक उम्र के आधार पर रोक संभव नहीं

- बच्चों को ऑनलाइन यौन शोषण सामग्री से बचाने के लिए एक सख्त फ्रेमवर्क बनाया जाए
- इससे जुड़ी सामग्री की पहचान करने और उसे हटाने के लिए डिजिटल पहचानकर्ताओं और यूआरएल का एक राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार किया जाए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनेट तक पहुंच को बच्चों के लिए भी एक मौलिक अधिकार माना है। अदालत ने इंटरनेट के इस्तेमाल पर उम्र से जुड़ी किसी भी तरह की पाबंदी लगाने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा-हमें यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि संविधान के अनुच्छेद 21 और अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत, इंटरनेट तक पहुंच और उसका इस्तेमाल करना हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। हमारे बच्चों को चाहे उनकी उम्र कुछ भी हो समान अधिकार प्राप्त हैं। इन अधिकारों से पूरी तरह वंचित करना उतना ही बेतुका होगा, जितना यह कहना कि एक उम्र से कम उम्र के बच्चों में न तो ऐसी कोई समझ है जिसकी रक्षा की जानी चाहिए।

सोशल मीडिया कंपनियों पर की सख्त टिप्पणी

अदालत ने अधिकारियों और सोशल मीडिया कंपनियों को भी आड़े हाथों लिया और कहा कि पीड़ितों की सुरक्षा के लिए कोई गंभीर पहल नहीं की गई है। साथ ही स्पष्ट दिशा-निर्देश होने के बावजूद बच्चों के शोषण से जुड़ी सामग्री के बार-बार सामने आने पर भी सवाल उठाए। अदालत ने कहा कि हमें यह देखकर बहुत दुख हुआ है कि आवेदकों द्वारा पेश की गई खबरों में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रीडायरेक्ट लिंक और वेबसाइटों के जरिए बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री के पेड प्रमोशन का जिक्र है।

सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

याचिकाकर्ताओं ने रिपोर्ट करने के लिए एक समान प्रक्रिया, एक केंद्रीय पोर्टल और नियमों का पालन न करने वाली सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। अदालत ने इन चिंताओं पर गौर करते हुए केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह बच्चों के शोषण से जुड़ी सामग्री की पहचान करने और उसे हटाने के लिए डिजिटल पहचानकर्ताओं और यूआरएल का एक राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करे।

बेंगलुरु में बारिश के आगे बेबस हुए खिलाड़ी, रद्द हुआ भारत-वेस्ट इंडीज फाइनल मुकाबला

नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाने वाला पांचवां और अंतिम टी20 मुकाबला आखिरकार बारिश की भेंट चढ़ गया। तेज बारिश और आउटफील्ड गीली होने के कारण मैच को शुरू में 9-9 ओवर का किया गया था लेकिन भारतीय पारी के 7.4 ओवर के बाद खेल दोबारा संभव नहीं हो सका। मुकाबला बेनतीजा रहने के साथ ही पांच मैचों की यह रोमांचक टी20 सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हो गई। सीरीज ड्रॉ होने के बाद भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने माना कि अगर टीम ने सीरीज के कुछ मुकाबलों में बेहतर गेंदबाजी की होती तो नतीजा भारत के पक्ष में हो सकता था। उन्होंने वेस्टइंडीज की टीम और उनके कप्तान शाई होप की जमकर तारीफ की जिन्होंने पूरी सीरीज के दौरान भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा और अपनी टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया।

ईडब्ल्यूएस आरक्षण में बदलाव की तैयारी

शेखावत ने दिया खेती वाली जमीन पर 'राहत' का संकेत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) आरक्षण के नियमों में बदलाव के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार कर रही है और हाल ही में इस संबंध में बैठक भी हुई है। शेखावत को उम्मीद है कि जल्द ही ऐसा समाधान निकलेगा जिससे पात्र लोगों को ज्यादा न्याय मिल सके। इस बार सरकार ईडब्ल्यूएस में कृषि की इनकम को लेकर सुधार करने पर विचार कर रही है। मौजूदा नियमों के मुताबिक ईडब्ल्यूएस आरक्षण का लाभ लेने के लिए यह जरूरी है।

गजेंद्र सिंह शेखावत

फाइल फोटो

मुख्यमंत्री ने जोधपुर जिले के केलावा खुर्द स्थित केशव प्रिया गोशाला में आयोजित दिव्य रामकथा एवं नवकुण्डीय यज्ञ में की शिरकत

कर्तव्यों के पालन से ही साकार होगी रामराज्य की अवधारणा: सीएम

कहा- संत-महंत और ऋषि-मुनि समाज को दिखाते हैं जीवन की सही दिशा, विकास के साथ सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण भी आवश्यक

थिंक राजस्थान • जोधपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति कर्तव्यों पर आधारित रही है और इन्हीं कर्तव्यों के पालन से रामराज्य की स्थापना हुई थी। उन्होंने कहा कि आज समाज में अधिकारों की चर्चा अधिक होती है, जबकि कर्तव्यों के प्रति सजगता आवश्यक है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करे। उन्होंने कहा कि कर्तव्यनिष्ठा और संस्कारों के माध्यम से ही हम अपनी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्र को सशक्त बना सकते हैं। मुख्यमंत्री शनिवार को जोधपुर जिले के ग्राम केलावा खुर्द स्थित केशव प्रिया गोशाला में आयोजित दिव्य रामकथा एवं नवकुण्डीय यज्ञ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने व्यासपीठ के संत श्री मुरलीधर जी महाराज से आत्मीय भेंट कर उनका अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि संत, महंत और ऋषि-मुनि सदैव समाज को सही मार्ग दिखाने का कार्य करते आए हैं। हमारी हजारों वर्षों पुरानी संस्कृति और परंपराएं आज भी समाज को जीवन जीने की दिशा प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि संतों के सान्निध्य में बिताया गया थोड़ा समय भी जीवन को नई सीख और प्रेरणा प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन आदर्श आचरण और कर्तव्यपालन की प्रेरणा देता है। रामायण और अन्य धार्मिक ग्रंथों में जीवन के महत्वपूर्ण मूल्य समाहित हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी के पास संपूर्ण रामायण पढ़ने का समय नहीं है तो वह सुंदरकांड का पाठ अवश्य करे, उसमें जीवन का सार मिलता है। भगवान श्रीकृष्ण ने भी कर्म को सर्वोपरि बताते हुए कर्म करने और फल की चिंता न करने का संदेश दिया है।

युवा पीढ़ी को संस्कारों और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले परिवारों में बुजुर्ग बच्चों को रामायण, महापुरुषों एवं ऋषि-मुनियों के प्रेरक प्रसंग सुनाते थे, जिससे नई पीढ़ी को संस्कार और जीवन मूल्य प्राप्त होते थे। बदलते समय में यह परंपरा धीरे-धीरे कम होती जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास और विरासत को साथ लेकर आगे बढ़ रहा है। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए समाज में समरसता, पारस्परिक सहयोग और सांस्कृतिक विरासत के प्रति गौरव का भाव आवश्यक है। हमारी संस्कृति पर्वतों, नदियों और वृक्षों में भी ईश्वर का वास मानकर उनके प्रति श्रद्धा का भाव रखती है। इस समृद्ध विरासत को संजोकर रखना हम सभी का दायित्व है। इस अवसर पर केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, संसदीय कार्य, विधि एवं विधि कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, सांसद पी.पी. चौधरी, जीव-जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह बिश्नोई, विधायक भैराराम सियोल, अर्जुन लाल गर्ग, अतुल भंसाली, प्रियंका चौधरी, पब्बाराम विश्नोई सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, संतजन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ब्रीफ न्यूज

बीकानेर की पांच बालिका मुक्केबाज CBSE नेशनल प्रतियोगिता में लेंगी भाग

थिंक राजस्थान • बीकानेर

हरियाणा के कैथल में 20 अक्टूबर तक आयोजित सीबीएसई नेशनल बालिका बॉक्सिंग प्रतियोगिता में बीकानेर की पाँच खिलाड़ी गर्विता चौधरी, बेनेश, हर्षिता पंचारिया, कृति व्यास और वंशिका व्यास भाग लेंगी। इनमें गर्विता चौधरी पूर्व में भी कई राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। खिलाड़ियों के चयन पर खेल जगत से जुड़े लोगों ने खुशी जताते हुए उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

चुनाव तक अधिकारियों-कर्मचारियों को मुख्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश

थिंक राजस्थान • बीकानेर

पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव 2026 की तैयारियों के मद्देनजर जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आगामी आदेशों तक मुख्यालय पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी निशांत जैन की ओर से 16 अक्टूबर को जारी कार्यालय आदेश में कहा गया है कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव 2026 के कार्यक्रम की घोषणा की जा चुकी है। ऐसे में निर्वाचन संबंधी महत्वपूर्ण कार्यों को ध्यान में रखते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे आगामी आदेशों तक आवश्यक रूप से मुख्यालय पर उपस्थित रहेंगे। साथ ही, अधोहस्ताक्षरकर्ता की पूर्व अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे। आदेश की प्रतिलिपि सभी कार्यालयाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों को पालनार्थ भेजी गई है। वहीं, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को इस आदेश का प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

पंचायतीराज व्यवस्था को मजबूत करने में कांग्रेस का अहम योगदान: नागौरी

कांग्रेस उम्मीदवार हीरादेवी मेघवाल के चुनावी कार्यालय का उद्घाटन

थिंक राजस्थान • फलौदी

पंचायतीराज आम चुनाव में पंचायत समिति फलोदी के वार्ड नंबर 9 में कांग्रेस उम्मीदवार श्रीमती हीरादेवी मेघवाल के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी फलोदी के अध्यक्ष सलीम नागौरी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रकाश छंगाणी, सेवादल जिलाध्यक्ष प्रेमसिंह राजपुरोहित, कांग्रेस अजा विभाग फलोदी जिलाध्यक्ष ठाकरराम मेघवाल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्रीगोपाल व्यास एवं चेतनराम गंढेर ने किया।

इस अवसर पर विचार व्यक्त करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष सलीम नागौरी एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रकाश छंगाणी ने कहा कांग्रेस पार्टी का देश के विकास में अहम योगदान रहा है। देश में पंचायतीराज की व्यवस्था कांग्रेस की ही देन है। कांग्रेस ने पंचायतीराज व्यवस्था को सदैव मजबूत किया है। आपने फलोदी पंचायत समिति के सर्वांगीण एवं चहुंमुखी विकास के लिए वार्ड नंबर 9 में कांग्रेस की उम्मीदवार श्रीमती हीरादेवी मेघवाल को मत एवं समर्थन देने का आह्वान किया। इस अवसर पर विचार व्यक्त करते हुए आयकर विभाग के सेवानिवृत्त चीफ कमिश्नर केआर मेघवाल ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में सेवा कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

आपने सुशासन एवं ग्रामीण विकास के लिए कांग्रेस उम्मीदवार हीरादेवी मेघवाल के पक्ष में मत एवं समर्थन की अपील की। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता विजयसिंह राजपुरोहित, अभयसिंह, कांग्रेस मंडल अध्यक्ष दिनेश कुमार मेघवाल, अशोक कुमार मेघवाल, श्रीमती सरोज बिरठ, श्रीमती गोमती परिहार, अमीन खान, कालूराम कड़ेला, स्वरूपसिंह, मगराज माली, खुशाल माली, अशोक माली, मूलचंद माली, मनजी जटिया, ज्ञानचंद गंढेर, तेजूसिंह, जगदीश सिंह, गोपसिंह, रेंवतसिंह, रतनसिंह, अर्जुनसिंह, रामलाल, थानाराम, बीजाराम, भोमाराम पंवार, पपाराम, मांगीलाल, भोमसिंह सिया, जितेंद्र सिंह, जालमसिंह, बंशीलाल बावरी, चंपालाल, देवचंद, ढाऊलाल, मोहनराम, प्रकाश बावरी, हस्तीमल सुथार, नेमीचंद, ओमप्रकाश कलाल, रेखाराम, ओमप्रकाश कटारिया, मगराम माली, हरीराम, देवीलाल, श्रवण कुमार, जगदीश लीलड़, भूराराम परिहार, भीमराज मूडिया, ओगड़राम, महिपाल कटारिया सहित सैकड़ों नागरिक उपस्थित रहे है। अंत में कांग्रेस उम्मीदवार श्रीमती हीरादेवी मेघवाल ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन अशोक कुमार मेघवाल ने किया।

कांग्रेस उम्मीदवारों का स्वागत किया

इस अवसर पर जिला परिषद फलोदी के वार्ड नंबर 11 की उम्मीदवार श्रीमती सरोज दिनेश कुमार बिरठ आऊ एवं फलोदी पंचायत समिति के वार्ड नंबर 7 से कांग्रेस उम्मीदवार श्रीमती गोमती परिहार मोखेरी का माला पहनाकर स्वागत किया गया। कांग्रेस नेताओं ने इन उम्मीदवारों को मत एवं समर्थन देने की अपील की।

हाउसिंग बोर्ड की 3 योजनाओं में आवेदन शुरू

किशनगढ़ में 90 स्वतंत्र मकान, भिवाड़ी में 77 और जयपुर के प्रताप नगर में 146 फ्लैट बनेंगे

16 नवंबर अंतिम तारीख; जयपुर में पत्रकारों के लिए 174 फ्लैट

थिंक राजस्थान • जयपुर

राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की जयपुर, भिवाड़ी और किशनगढ़ की तीन आवासीय योजनाओं में ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गए हैं। इन योजनाओं के तहत कुल 313 मकानों का आवंटन किया जाएगा। आवेदन की अंतिम तारीख 16 नवंबर निर्धारित की गई है। इसके अलावा जयपुर में पत्रकारों के लिए 174 फ्लैट की विशेष योजना भी शुरू की गई है। हाउसिंग बोर्ड की योजनाओं में किशनगढ़ में 90 स्वतंत्र मकान, भिवाड़ी में 77 मल्टीस्टोरी फ्लैट और जयपुर के प्रताप नगर में 146 फ्लैट शामिल हैं। ये आवास मध्यम और उच्च आय वर्ग (MIG और HIG) के लिए प्रस्तावित हैं। इनकी कीमत करीब 41 लाख रुपए से लेकर एक करोड़ रुपए से अधिक तक निर्धारित की गई है। जयपुर के जगतपुरा स्थित इंदिरा गांधी नगर में पत्रकारों के लिए 174 फ्लैट की योजना मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लॉन्च की। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा के अनुसार, योजना में प्राप्त आवेदनों की लॉटरी निकाली जाएगी। जिन आवेदकों को पहले चरण में आवास नहीं मिलेगा, उनका पंजीकरण कर दूसरे चरण में आवास उपलब्ध करवाने की योजना है।

प्रदेश की सभी कोर्ट में सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक: नई SOP लागू, निगरानी समितियां बनेंगी

थिंक राजस्थान • जोधपुर

राजस्थान हाईकोर्ट ने सभी न्यायिक परिसरों और अधिकारियों की आवासीय कॉलोनियों में स्वच्छता और पर्यावरण के लिए ठोस कचरा प्रबंधन के नए नियम लागू किए हैं। इसके तहत कचरे को 4 श्रेणियों में अलग किया जाएगा। साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक और डिस्पोजेबल प्लास्टिक कप-प्लेट के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है। यह एसओपी 'राजस्थान हाईकोर्ट सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स, 2026' को लागू करने और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के पालन में जारी हुई है। नियमों का पालन सुनिश्चित करने को निगरानी समितियां बनाई गई है, जो हर तीन महीने में समीक्षा करेंगी।

अजमेर के JLN अस्पताल में पहली रोबोटिक किडनी कैंसर सर्जरी सफल, दूसरे दिन मरीज को मिली छुट्टी, डॉ. अनिल के. शर्मा के नेतृत्व में 56 वर्षीय मरीज का ऑपरेशन

जटिल रक्त वाहिकाओं की बनावट बनी चुनौती, सरकारी अस्पताल में नि:शुल्क सर्जरी

थिंक राजस्थान • जैतारण

अजमेर जवाहरलाल नेहरू (JLN) मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, अजमेर में रोबोटिक तकनीक से किडनी कैंसर का जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया। वरिष्ठ रोबोटिक एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. अनिल के. शर्मा के नेतृत्व में नागौर जिले के परबतसर निवासी 56 वर्षीय मरीज की बाईं किडनी का ऑपरेशन किया गया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, मरीज की रिकवरी तेजी से हुई और ऑपरेशन के दूसरे दिन उसे छुट्टी दे दी गई।

पेशाब में खून आने पर जांच में मिला ट्यूमर

मरीज को पेशाब में खून आने और पेशाब करने में परेशानी की शिकायत थी। सोनोग्राफी में बाईं किडनी में गांठ दिखाई दी। इसके बाद सीटी स्कैन और अन्य जांचों के आधार पर किडनी ट्यूमर की पुष्टि हुई। मामले की जटिलता को देखते हुए चिकित्सकों ने रोबोटिक तकनीक से ऑपरेशन करने का निर्णय लिया।

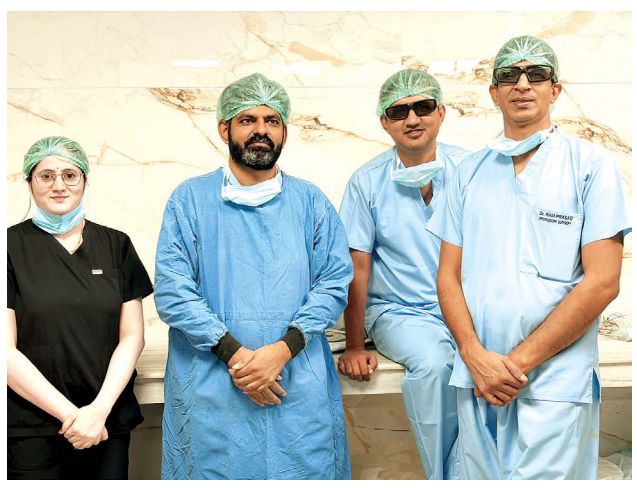

असामान्य रक्त वाहिकाएं

सर्जरी के दौरान किडनी की रक्त वाहिकाओं की असामान्य बनावट चुनौती रही। चिकित्सकों की टीम ने आधुनिक उपकरणों और आपसी समन्वय से ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूरा किया। डॉ. शर्मा के साथ डॉ. रामप्रसाद और डॉ. अमित ने सर्जरी में सहयोग किया। एनेस्थीसिया, रेजिडेंट डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की टीम ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चिकित्सकों के मुताबिक, ऑपरेशन के करीब 12 घंटे बाद मरीज चलने-फिरने लगा और उसने खाना-पीना शुरू कर दिया। दूसरे दिन उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

जटिल सर्जरी में रोबोटिक तकनीक

डॉ. अनिल के. शर्मा ने बताया कि रोबोटिक सर्जरी का विशेष लाभ जटिल ऑपरेशन में मिलता है। इसमें सर्जन को त्रि-आयामी स्पष्ट दृश्य और उपकरणों की सूक्ष्म गतिविधियों पर बेहतर नियंत्रण मिलता है। इससे जटिल शारीरिक संरचना और रक्त वाहिकाओं से जुड़े मामलों में सर्जरी करने में मदद मिलती है। उन्होंने बताया कि करीब 9-10 वर्ष पहले भी JLN अस्पताल में उनके नेतृत्व में लैप्रोस्कोपिक तकनीक से किडनी कैंसर का ऑपरेशन किया गया था। उस मरीज ने भी अस्पताल पहुंचकर चिकित्सकों का आभार जताया। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया ने इस उपलब्धि पर डॉ. शर्मा और उनकी टीम को बधाई दी। अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे ने कहा कि बेहतर एनेस्थीसिया प्रबंधन और ऑपरेशन के बाद देखभाल से मरीज की रिकवरी में मदद मिली।

पेशाब में खून आए तो न करें अनदेखी

डॉ. शर्मा ने लोगों को सलाह दी कि पेशाब में खून आने, बिना कारण वजन घटने, लगातार थकान, पेशाब करने में कठिनाई या कमर के एक तरफ लगातार दर्द होने पर चिकित्सकीय जांच कराएं। पेशाब में खून आना हमेशा कैंसर का संकेत नहीं होता, लेकिन इसकी जांच कराना जरूरी है। JLN अस्पताल की यह उपलब्धि सरकारी चिकित्सा संस्थानों में आधुनिक तकनीक से जटिल उपचार की बढ़ती संभावनाओं को दर्शाती है।

श्रीगंगानगर में डॉ. मोहित टांटिया का 'गर्भाशक्ति' मॉडल: जहां मातृत्व को मिला सेवा, सम्मान और संवेदना का संबल

थिंक राजस्थान • श्रीगंगानगर

नारी केवल शक्ति का प्रतीक नहीं, बल्कि सृजन, संवेदना और जीवन की आधारशिला है। इसी सोच को श्रीगंगानगर का डॉ. एस.एस. टांटिया मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर केवल चिकित्सा की जिम्मेदारी तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उसे सामाजिक सरोकार, अपनत्व और सेवा से जोड़कर देखता है। शारदीय नवरात्र के अवसर पर अस्पताल की 'गर्भाशक्ति' योजना इसी भावना को एक अलग पहचान देती है। यह पहल गर्भवती महिलाओं को केवल उपचार उपलब्ध कराने की कोशिश नहीं, बल्कि गर्भावस्था के दौरान उन्हें भरोसा, सहयोग और संबल देने का प्रयास भी है।

युवा नेतृत्व ने सेवा को बनाया संस्थान की पहचान

इस पहल के पीछे टांटिया यूनिवर्सिटी के वाइस चेयरपर्सन डॉ. मोहित टांटिया की सोच और नेतृत्व महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। युवा नेतृत्व के बावजूद उनकी दृष्टि केवल अस्पताल, चिकित्सा शिक्षा या संस्थान के विस्तार तक सीमित नहीं दिखाई देती। उनका जोर इस बात पर है कि किसी चिकित्सा संस्थान की पहचान केवल उसकी इमारतों और सुविधाओं से नहीं, बल्कि इस बात से होनी चाहिए कि वह समाज के सबसे संवेदनशील समय में लोगों के कितने करीब खड़ा होता है। यही कारण है कि यहां सेवा को केवल एक व्यवस्था के रूप में नहीं, बल्कि संस्थान की मूल भावना के रूप में विकसित करने की कोशिश की गई है।

20 मार्च 2023 से शुरू हुई गर्भाशक्ति योजना

20 मार्च 2023 से शुरू की गई 'गर्भाशक्ति' योजना का उद्देश्य गर्भवती मां और गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य को बेहतर देखभाल से जोड़ना है। योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को आयरन और कैल्शियम की गोलियां तथा टीटी के इंजेक्शन निःशुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं। यह सुविधा उन महिलाओं के लिए खास तौर पर महत्वपूर्ण है, जिनके लिए गर्भावस्था के दौरान नियमित स्वास्थ्य देखभाल का आर्थिक बोझ भी चिंता का कारण बन सकता है। अस्पताल के अनुसार, अब तक 10 हजार से अधिक महिलाएं इस योजना का लाभ ले चुकी हैं।

बेटी के जन्म को बनाया सम्मान का अवसर

'गर्भाशक्ति' योजना का एक भावनात्मक पक्ष बालिका के जन्म से जुड़ा है। अस्पताल में बेटी के जन्म पर मां को *एक किलो देशी घी* देकर बालिका के आगमन का सम्मान किया जाता है। यह केवल एक प्रतीकात्मक उपहार नहीं, बल्कि उस सामाजिक संदेश का हिस्सा है जिसमें बेटी के जन्म को खुशी, सम्मान और उत्सव से जोड़ने की कोशिश की गई है।

2024 से अब तक 5 हजार बच्चों का जन्म

वर्ष 2024 से अब तक अस्पताल में 2,567 बालकों और 2,465 बालिकाओं ने जन्म लिया है। इन आंकड़ों के पीछे हजारों परिवारों की उम्मीदें, मातृत्व की संवेदनाएं और एक नए जीवन की शुरुआत जुड़ी है। यही कारण है कि अस्पताल की यह पहल चिकित्सा सुविधा से आगे बढ़कर परिवार और समाज से जुड़ी एक मानवीय जिम्मेदारी का रूप लेती दिखाई देती है।

कम शुल्क में चिकित्सा, सरकारी योजनाओं से भी जुड़ाव

अस्पताल की जनकल्याणकारी सोच केवल 'गर्भाशक्ति' योजना तक सीमित नहीं है। लाडो और राजश्री जैसी सरकारी योजनाओं के पंजीकरण में भागीदारी, कम दरों पर प्रसव सुविधा और जन सेवा हॉस्पिटल में 10 रुपये OPD तथा 20 रुपये IPD शुल्क जैसी व्यवस्थाएं भी इसी मॉडल का हिस्सा हैं। इन सुविधाओं का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक स्थिति किसी व्यक्ति और आवश्यक चिकित्सा सेवा के बीच बाधा न बने।

डॉ. मोहित टांटिया की सोच में 'इलाज' से पहले 'इंसान'

डॉ. मोहित टांटिया की कार्यशैली में एक बात स्पष्ट दिखाई देती है— स्वास्थ्य सेवा को केवल उपचार की प्रक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखना। उनकी सोच इस विचार पर आधारित नजर आती है कि तकनीक, संस्थान और चिकित्सा सुविधाएं कितनी भी आधुनिक क्यों न हों, मरीज के लिए सबसे महत्वपूर्ण उसका भरोसा और उसके प्रति दिखाई गई संवेदना होती है। यही दृष्टि उन्हें केवल एक प्रशासनिक नेतृत्वकर्ता के बजाय *सेवा-केंद्रित युवा नेतृत्व* के रूप में अलग पहचान देती है।

नवरात्र में नारी सम्मान का अलग संदेश

शारदीय नवरात्र में देवी के विभिन्न स्वरूपों की पूजा की जाती है, लेकिन 'गर्भाशक्ति' जैसी पहल यह संदेश देती है कि नारी शक्ति का सम्मान केवल धार्मिक प्रतीकों और शब्दों तक सीमित नहीं होना चाहिए। उसका वास्तविक सम्मान उसके स्वास्थ्य, सुरक्षा, गरिमा और मातृत्व के प्रति जिम्मेदारी निभाने में है। श्रीगंगानगर से शुरू हुई यह पहल इसी सोच को सामने रखती है कि किसी संस्थान की असली पहचान उसके आकार से नहीं, बल्कि उसके सामाजिक प्रभाव से बनती है।

और शायद इसी कारण डॉ. मोहित टांटिया की यह पहल एक सरल लेकिन प्रभावी संदेश देती है— लाभ से पहले सेवा, व्यवस्था से पहले संवेदना और संस्थान से पहले इंसान।

ब्रीफ न्यूज

अलवर में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का कांग्रेस ने फूंका पुतला

थिंक राजस्थान • अलवर

अलवर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के पाकिस्तान को लेकर दिए गए बयान पर विवाद बढ़ गया है। अलवर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शनिवार शाम विरोध-प्रदर्शन करते हुए शहर के नंगली सर्किल पर मदन राठौड़ का पुतला फूंका। अलवर जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष प्रकाश गंगावत ने कहा कि मदन राठौड़ के बयान से भाजपा की कथनी और करनी में अंतर सामने आ गया है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के बयान से ऐसा प्रतीत होता है कि पाकिस्तान को लेकर कोई मुद्दा आने पर भाजपा उसके साथ खड़ी है। इस बयान से पाकिस्तान के साथ भाजपा के संबंधों को लेकर सवाल खड़े होते हैं। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व को बताना चाहिए कि वे पाकिस्तान के साथ है या उसके खिलाफ।

सरिस्का में बाघिन ST-26 ने 2 शावकों को दिया जन्म:कैमरे में आए नजर

थिंक राजस्थान • अलवर

अलवर। अलवर के सरिस्का के जंगल में बाघिन ST-26 ने 2 शावकों को जन्म दिया है। कैमरा ट्रैप में वह दो शावकों के साथ देखी गई। इन नन्हें मेहमानों के आने से सरिस्का में टाइगर का कुनबा बढ़कर 58 हो चुका है। सरिस्का के अकबरपुर और तालवृक्ष रेंज में नए शावक दिखे हैं। वन विभाग द्वारा लगाए गए कैमरा ट्रैप में बाघिन अपने दोनों शावकों के साथ घूमती हुई कैद हुई है। तस्वीरों में दोनों शावक पूरी तरह से स्वस्थ और बेहद सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। करीब 6 से 7 वर्ष की यह बाघिन, सरिस्का की प्रसिद्ध बाघिन एसटी-14 की संतान है। बाघिन एसटी-26 का यह पहला लिटर (सफल प्रजनन) है। बाघिन मुख्य रूप से सरिस्का के तालवृक्ष और अकबरपुर रेंज क्षेत्र में सक्रिय रहती है। स्थानीय स्तर पर जन्मी बाघिन द्वारा सफल प्रजनन से सरिस्का में बाघों की आबादी और सरिस्का के कुनबे को नई मजबूती मिली है।

श्रीडूंगरगढ़ अनाज मंडी में बेकाबू बोलेरो पलटी:मजदूरों ने कूदकर बचाई जान

थिंक राजस्थान • बीकानेर

बीकानेर। बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ स्थित अनाज मंडी में शनिवार को बड़ा हादसा टल गया। यहां एक बोलेरो गाड़ी बेकाबू होकर पलट गई। गनीमत रही कि बोलेरो में बैठे चार मजदूरों ने कूदकर अपनी जान बचा ली, ड्राइवर भी सुरक्षित बच गया। अचानक पलटी गाड़ी को देखकर आसपास के मजदूर पहुंचे और उसे सीधा किया। पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गया। मंडी प्रशासन की ओर से बोलेरो गाड़ियों से सामान इधर से उधर किया जाता है। इसी में एक गाड़ी शनिवार दोपहर ड्राइवर लेकर निकल रहा था। मोड़ पर भी उसने गाड़ी की स्पीड कम नहीं की, जिससे वो पलट गई। आसपास अनाज से भरी बोरियां पड़ी थी, जिससे एक बार पलट कर ही गाड़ी रुक गई। बोलेरो के पलटते ही एक मजदूर नीचे गिरा, दूसरा मजदूर बोलेरो में लदे अनाज के ऊपर था, वो पास ही पड़ी बोरियों पर जा गिरा।

बोरवेल में पत्थर-पानी के कारण बच्चे की हुई मौत: शर्ट को निकालते समय आया था पत्थर, गहरे पानी में डूबा मासूम

थिंक राजस्थान • जोधपुर

फलोदी जिले में 1050 फीट गहरे बोरवेल में गिरे 9 साल के बच्चे भोमाराम को नहीं बचाया जा सका। बच्चे का शव करीब 39 घंटे बाद बोरवेल से निकाला गया, लेकिन उसकी मौत पहले ही हो गई थी। बच्चे तक ऑक्सीजन पहुंचाने के प्रयास भी विफल रहे। इसके अलावा एक बड़ा पत्थर और पानी भी जान बचाने में बाधा बना। पुलिस-प्रशासन और देसी तकनीक भी काम नहीं आई। माना जा रहा है कि गुरुवार रात को ही बच्चे की बोरवेल में पानी के अंदर डूबने के कारण मौत हो गई थी। रेस्क्यू ऑपरेशन के असफल होने के 2 कारण सामने आए हैं...

पूनिया की ढाणी निवासी पाचाराम का 9 साल का बेटा भोमाराम 15 अक्टूबर दोपहर 12:30 बजे 1050 फीट गहरे बोरवेल में गिरा था। बोरवेल बाहर से 10 इंच का था लेकिन नीचे जाते-जाते उसकी चौड़ाई अलग-अलग थी। बच्चा बोरवेल की 640 फीट की गहराई में जाकर फंसा था। नीचे पत्थर होने के कारण अंदर कोई पाइप भी नहीं था। एसडीआरफ,एनडीआरएफ के साथ देसी जुगाड़ एक्सपर्ट माधाराम सुथार,नरपत सुथार के अलावा उनकी पूरी टीम बच्चे को निकालने के प्रयास में जुटी थी। रेस्क्यू के दौरान बच्चे की शर्ट निकल कर बोरवेल में धंसे एक पत्थर में फंस गई। शर्ट खींचने के प्रयास में पत्थर बाहर निकल गया और बोरवेल में फंस गया। इससे पहले कैमरे से बच्चे के मूवमेंट पर नजर रखी जा रही थी। कैमरे और बच्चे के बीच पत्थर आते ही मूवमेंट नजर आना बंद हो गया। बच्चे को ऑक्सीजन भी भेजी जा रही थी लेकिन पत्थर के कारण इसमें में भी परेशानी आने लगी थी। पत्थर को निकालने के लिए तीन से चार देसी जुगाड़ तैयार किए गए, जो असफल रहे। चौथा जुगाड़ सरिए से तैयार किया गया। सरिए के आगे चिमटा नुमा औजार लगाया। इसके बाद शुक्रवार रात करीब 10 बजे यानी 34 घंटे बाद पत्थर बाहर निकाला गया।

टीम अपने लगातार प्रयास से पत्थर निकालने में सफल रही लेकिन दूसरी चुनौती सामने आकर खड़ी हो गई। ये चुनौती थी पानी। बच्चे के 10 फीट ऊपर पानी था। टीम बच्चे का मूवमेंट जानने के लिए कैमरे को अंदर भेज रही थी। पानी के कारण फुटेज धुंधले होने लगे। ऐसे में टीम को अंदाजा लगाने में परेशानी होने लगी कि बच्चे का मूवमेंट किस तरफ है। माना जा रहा है कि गुरुवार रात को ही बच्चे की बोरवेल में पानी के अंदर डूबने के कारण मौत हो गई थी।

बाड़मेर जिला परिषद 114 प्रत्याशी चुनावी मैदान में

बाड़मेर। बाड़मेर जिला परिषद के 37 वार्डों में चुनाव की स्थिति साफ हो गई है। वार्ड संख्या 4 से कांग्रेस के शेर मोहम्मद निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। यहां भाजपा का नामांकन खारिज हो गया, जबकि आरएलपी और निर्दलीय प्रत्याशियों ने नाम वापस ले लिए। अब बाकी 36 सीटों पर 114 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। जिला परिषद की 36 सीटों पर कुल 114 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें भाजपा के 36, कांग्रेस के 35 और आरएलपी के 27 उम्मीदवार शामिल हैं। अन्य प्रत्याशी भी चुनावी मैदान में हैं। बाड़मेर जिले में पहले चरण का मतदान 22 अक्टूबर को होगा। इसके लिए चुनाव प्रचार 20 अक्टूबर की शाम 5 बजे तक चलेगा। वहीं, दूसरे चरण की वोटिंग 28 अक्टूबर को होगी। पहले चरण में 10 पंचायत समितियों और दूसरे चरण में 7 पंचायत समितियों में मतदान होगा।

जैसलमेर: डाईट प्रिंसिपल पर 5 हजार रुपए का जुर्माना

RTI में मांगी जानकारी नहीं दी, सुनवाई में भी नहीं पहुंचे

थिंक राजस्थान • जैसलमेर

जैसलमेर के जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डाईट) के प्रिंसिपल और पब्लिक इन्फॉर्मेशन ऑफिसर पर राजस्थान राज्य सूचना आयोग ने एक्शन लिया है। दरअसल, उन्होंने आरटीआई के तहत मांगी गई सूचना नहीं दी थी और सुनवाई में लगातार अनुपस्थित रहे थे। प्रिंसिपल और लोक सूचना अधिकारी पर 5 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। राज्य सूचना आयुक्त टीकाराम शर्मा ने यह आदेश परिवादी सत्यनारायण छंगाणी की शिकायत पर दिया। जैसलमेर के गोयदानी पाड़ा निवासी सत्यनारायण छंगाणी ने 8 मई 2025 को आरटीआई आवेदन देकर जानकारी मांगी थी। तय समय में सूचना नहीं मिलने पर उन्होंने पहली अपील की, लेकिन वहां से भी राहत नहीं मिली। इसके बाद मामला राजस्थान राज्य सूचना आयोग पहुंचा। आयोग ने 28 अक्टूबर 2025 को आदेश जारी कर 30 दिन के अंदर कार्यालय में मौजूद रिकॉर्ड के हिसाब से मांगी गई सभी सूचनाएं निःशुल्क उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। आयोग के आदेश के बावजूद सूचना नहीं मिलने पर परिवादी ने दोबारा शिकायत की। संबंधित अधिकारी की ओर से बताया गया कि मांगी गई जानकारी 5 हजार से ज्यादा पेजों में है, इसलिए उसे उपलब्ध कराना लंबी प्रक्रिया है। आवेदक को रिकॉर्ड का निरीक्षण करने के लिए भी कहा गया था।

2 करोड़ रिश्वत मामले में एसीबी पर धमकाने का आरोप: झूठी गवाही के भी आरोप लगाए

हाईकोर्ट ने वीडियोग्राफी में बयान दर्ज करने के आदेश दिए

थिंक राजस्थान • जोधपुर

उदयपुर में SOG के एडिशनल SP मुकेश कुमार सोनी द्वारा 2 करोड़ की रिश्वत मांगने के मामले में नया मोड़ आया है। एक गवाह ने एसीबी उदयपुर के अधिकारियों पर झूठी गवाही के लिए डराने-धमकाने का आरोप लगाया है। इसके बाद राजस्थान हाईकोर्ट ने जांच एजेंसी को निर्देश दिया है कि वह निष्पक्षता से ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ बयान दर्ज करे।

गवाह नरेंद्र कुमार टेलर ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सुरक्षा और निष्पक्ष जांच की मांग की थी। याचिका में आरोप

लगाया गया कि एसीबी की टीम उसे अपनी मर्जी के खिलाफ बयान देने के लिए डरा रही है, जबकि वह सच्चाई के आधार पर स्वतंत्र बयान देना चाहता है। कोर्ट ने आदेश दिया कि अगर गवाह नरेंद्र कुमार के बयान दर्ज करने की जरूरत पड़ती है, तो जांच अधिकारी बिना किसी दबाव या डर के बयान लेंगे। साथ ही, गवाह के बयान वीडियोग्राफी से रिकॉर्ड किए जाएंगे। इस मामले में एसीबी आरोपी आरपीएस मुकेश कुमार सोनी और सज्जन सिंह जैन से जुड़े मामले की जांच कर रही है। आरोपी को फोर्ड एंडेवर कार देने वाला व्यक्ति भी जांच के घेरे में है।

दरअसल 27 सितंबर रविवार को को एसीबी उदयपुर ने SOG के एडिशनल SP मुकेश कुमार सोनी गिरफ्तार किया था। इससे पहले शनिवार को एसीबी ने एएसपी के दलाल सज्जन सिंह जैन को 2 करोड़ की रिश्वत लेते पकड़ा था। यह रिश्वत उदयपुर नगर निगम के 272 प्लॉट के घोटाले में एफआर लगाने और जब्त सामान छोड़ने के बदले मांगी गई थी। एएसपी के दलाल सज्जन सिंह को गिरफ्तार करने के बाद शनिवार देर रात ही मुकेश सोनी को भी बालोतरा में उनके घर से हिरासत में ले लिया था।

ट्रक में सीक्रेट केबिन बनाकर शराब की अवैध तस्करी: 197 कार्टन जब्त, 1 गिरफ्तार

थिंक राजस्थान • बाड़मेर

मिनी ट्रक सीक्रेट केबिन बनाकर राजस्थान व पंजाब निर्मित अवैध शराब गुजरात ले जाने के दौरान बालोतरा जिले की डीएसटी और गुड़ामालानी पुलिस ने पकड़ा है। इसमें 197 कार्टन अवैध अंग्रेजी शराब, आईसर ट्रक को जब्त किया है। वहीं एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूरे नेटवर्क को लेकर पूछताछ कर रही है। एसपी राजेश कुमार कांवट ने बताया- अवैध शराब तस्करी की रोकथाम एवं शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई के लिए स्पेशल अभियान चलाया जा रहा है। एएसपी हरफूलसिंह मीना, डीएसपी सुमेरसिह राठौड़ के सुपरविजन में गुड़ामालानी थानाधिकारी सुरेश भादूर के नेतृत्व में टीम बनाई गई।

टीम को डीसीआरबी बालोतरा से सूचना मिली थी कि आईसर मिनी ट्रक में अवैध अंग्रेजी शराब का परिवहन किया जा रहा है। इस पर पुलिस चौकी गांधव पुल की ओर आ रहा है। इस पर डीएसटी प्रभारी ओमाराम, डीएसआई टीमों ने ट्रक का लगातार पीछा किया। गांधव चैक पोस्ट पहुंचकर नाकाबंदी करवाई गई।

नाकाबंदी के दौरान आईसर मिनी ट्रक गांधव बस स्टैंड की ओर से आता हुआ दिखाई दिया। इसे पुलिस टीम ने रुकवाया गया। ड्राइवर पुलिस को देखकर घबराया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम खेमाराम पुत्र नवलाराम निवासी धनाऊ बाड़मेर बताया। वाहन की तलाशी लेने पर प्रथम दृष्टया ट्रक खाली दिखाई दिया और ऊपर तिरपाल बंधा हुआ था। जांच करने पर तिरपाल के नीचे एक एक्स्ट्रा परत बनाई गई थी। इसके ऊपर दूसरा तिरपाल लगाया गया था। दोनों तिरपाल एक जैसे दिख रहे थे। उस परत के अंदर अंग्रेजी शराब के कार्टन छिपाकर रखे गए थे। कार्टनों की जांच करने पर उनमें राजस्थान एवं चंडीगढ़ निर्मित शराब मिली। पुलिस ने 8 पीएम अंग्रेजी शराब के 28 कार्टन, ग्रीन लेबल अंग्रेजी शराब के 32 कार्टन और ऑल सीजन अंग्रेजी शराब के 66 कार्टन,रॉयल चैलेंज अंग्रेजी शराब के 68 कार्टन इसके अलवा रूयल चैलेंज अंग्रेजी शराब के 160 पव्वे, जो चंडीगढ निर्मित थी। कुल बरामद शराब की कुल मात्रा 172656 लीटर पाई गई।

श्री राम नगर विस्तार में डांडिया महोत्सव की धूम, महिलाओं ने खनकाए डांडिये

थिंक राजस्थान • जयपुर। श्री राम नगर विस्तार झोटवाड़ा स्थित श्री राम पार्क में शनिवार, 17 अक्टूबर को माता रानी के पावन नवरात्रि उत्सव के अंतर्गत भव्य डांडिया महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र की महिलाओं, बहनों एवं श्रद्धालुओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सजकर उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। रंग-बिरंगे परिधानों और डांडिया की थाप पर पूरा आयोजन स्थल भक्तिमय एवं उत्सवी माहौल से सराबोर नजर आया। महोत्सव के दौरान प्रतिभागियों ने पारंपरिक डांडिया नृत्य की शानदार प्रस्तुतियां दीं। डांडिया महोत्सव में शानदार प्रदर्शन करने वाले 10 सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों को आकर्षक इनाम देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नवरात्रि के दौरान धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपराओं और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देना रहा। आयोजन में उपस्थित लोगों ने माता रानी के जयकारों के साथ उत्सव का आनंद लिया और डांडिया महोत्सव को यादगार बनाया।

ब्रीफ न्यूज

फलौदी में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के तहत कार्यशाला आयोजित

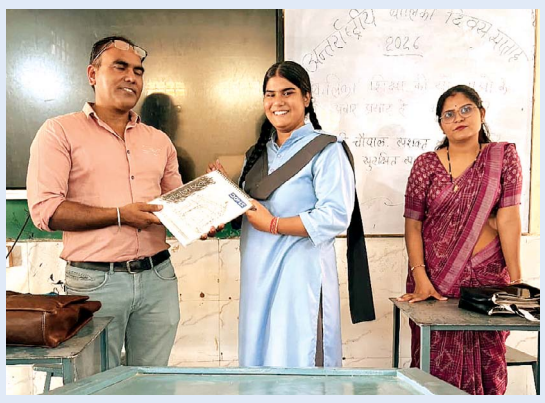

थिंक राजस्थान • फलौदी

महिला अधिकारिता विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस सप्ताह के तहत जिला स्तर पर बालिका शिक्षा की योजनाओं के प्रचार प्रसार हेतु कार्यशाला का आयोजन सीनियर सेकेंडरी स्कूल फलोदी में किया गया।इसमें ब्लॉक सुपरवाइजर विमला पालीवाल ने सरकार द्वारा चलाई जाने वाली विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी जैसे लाडो प्रोत्साहन योजना इसमें 7 किश्तों में 1:50 की राशि का प्रावधान है,ड्रॉपआउट बालिकाओ के लिए राजस्थान स्टेट ओपन के माध्यम से निःशुल्क 10 और12 परीक्षा उत्तीर्ण कर सकते है साथ ही RKCL के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं को मुफ्त कंप्यूटर प्रशिक्षण देने वाली योजना का नाम मुख्यमंत्री नारी शक्ति प्रशिक्षण एवं कौशल संवर्धन योजना ।विभाग की ओर से 'राजस्थान को जानो' प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमे व्याख्याता विशम्भर थानवी द्वारा प्रश्न पूछे गए अधिक जवाब देने वाली प्रथम तीन विजेताओं ख़ुशबू,उर्वशी और माला को सम्मानित किया गया व्याख्याता शशि पुरोहित और पन्नाधाय सुरक्षा व सम्मान केंद्र फलोदी की रेखा पालीवाल द्वारा भी भी बालिकाओ से संवाद किया गया।

पीएम श्री बालिका विद्यालय में बाल मेला: बालिकाओं ने लगाए स्टॉल

प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने उत्साह से लिया भाग, विजेताओं को किया पुरस्कृत

थिंक राजस्थान • पीपाड़ सिटी

शहर के सेठ भीकमचंद मुथा राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को बाल मेले का भव्य आयोजन किया गया। विद्यालय के बाल वाटिका समूह के अंतर्गत प्री-प्राइमरी एवं प्राइमरी कक्षाओं की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न आकर्षक स्टॉल लगाए और खेलकूद सहित कई प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रधानाचार्य रामकिशोर गहलोत ने बताया कि कार्यक्रम में यूसीईईओ रामकिशोर सांखला, प्रधानाचार्य राधेश्याम सोलंकी सहित छात्राओं के अभिभावक उपस्थित रहे। शहर के महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय नंबर एक एवं राजकीय विद्यालय नंबर दो के विद्यार्थी भी बाल मेले का अवलोकन करने पहुंचे।

बाल वाटिका प्रभारी ममता टाक एवं निरमा ने बताया कि मेले में छात्राओं ने बुक्स कॉर्नर, विज्ञान की जादुई दुनिया, खेल-खिलौने, ब्यूटी पार्लर, किचन कॉर्नर और रंगों की दुनिया सहित विभिन्न स्टॉल उत्साह के साथ लगाए। इन स्टॉल के माध्यम से बच्चों को रचनात्मक गतिविधियों, सीखने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला।मेले के दौरान विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। म्यूजिकल चेयर में यूकेजी की छात्रा लक्षिता, डक जंपिंग में कक्षा दूसरी की ईशिका, नींबू-चम्मच दौड़ में कक्षा पांचवीं की जयश्री तथा बैलेंस बैलून प्रतियोगिता में कक्षा पहली की डिम्पल और संजना विजेता रहीं। वहीं, पेपर डांस विद पेरेंट्स प्रतियोगिता में यूकेजी की छात्रा परिणीता और उसकी माता ने जीत हासिल की।

मेले में भाग लेने वाली सभी छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम का मंच संचालन व्याख्याता पारस गहलोत एवं रचना गोयल ने किया। बाल मेले के आयोजन से विद्यालय में उत्साहपूर्ण माहौल रहा।

द्वितीय चरण में 17 पंस के 1,004 अभ्यर्थियों के नामांकन वैध पाए गए

थिंक राजस्थान • जोधपुर

जिले में पंचायती राज आम चुनाव 2026 के अंतर्गत द्वितीय चरण में 17 पंचायत समितियों में नामांकन पत्र दाखिल करने एवं उनकी समीक्षा (Scrutiny) का कार्य शांतिपूर्ण तरीके से पूरा कर लिया गया है। प्राप्त विवरण के अनुसार जोधपुर जिले की कुल 17 पंचायत समितियों (आसोप, बावड़ी, भोपालगढ़, बिलाड़ा, धवा, हतुंडी, झवर, कापरड़ा, केरू, लूनी, मंडोर, ओसियां, पीपाड़ शहर, सालवा खुर्द, सामराऊ, तिंवरी एवं उम्मेद नगर) के 261 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए नामांकन पत्र प्राप्त किए गए। जिले में नामांकन प्रक्रिया के दौरान कुल 1,435 नामांकन पत्र प्राप्त हुए थे, जिनमें 1,309 उम्मीदवारों ने भाग लिया। इस प्रकार अब संवीक्षा प्रक्रिया (Scrutiny) के बाद कुल 1004 नामांकन पत्र के 1004 अभ्यर्थी वैध (Valid) पाए गए हैं, जबकि 386 नामांकन पत्रों को निरस्त/अस्वीकृत (Rejected) कर दिया गया। इसके अतिरिक्त 45 नामांकन पत्रों को डिस्कार्ड किया गया। इस प्रकार आसोप से 78, बावड़ी से 71, भोपालगढ़ से 80, बिलाड़ा से 55, धवा से 44, हतुंडी से 49, झंवर से 61, कापरड़ा से 61, केरू से 62, लूणी से 45, मंडोर से 65, ओसिया से 57, पीपाड़ शहर से 73, सालवा खुर्द से 68, सामराऊ से 46, तिवरी से 46, उम्मेद नगर से 43 वैध अभ्यर्थी मैदान में है।

नशा तस्करों पर बड़ी कार्रवाई, 46.09 लाख की संपत्तियां फ्रीज

थिंक राजस्थान • जोधपुर

पुलिस कमिश्नरेट पश्चिम ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो तस्करों की 46 लाख 9 हजार रुपये की संपत्तियां फ्रीज की हैं। पुलिस थाना झंवर ने एनडीपीएस एक्ट, 1985 की धारा 68एफ (2) के तहत यह कार्रवाई की।

डीसीपी वेस्ट कमल शेखावत ने बताया कि दोनों आरोपियों की आपराधिक गतिविधियों, आर्थिक स्रोतों और संपत्तियों की जांच के बाद वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन प्राप्त किया गया। इसके बाद संपत्ति फ्रीज करने के आदेश जारी हुए। पुलिस ने आरोपी शेखर राम निवासी राहड़ों की ढाणी, बड़ला नगर का एक रिहायशी मकान और तीन वाहन फ्रीज किए हैं। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तीन मामले दर्ज हैं। वहीं, कानाराम निवासी ग्राम मेलबा की छह दुकानें फ्रीज की गई हैं। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के आठ मामले दर्ज हैं। दोनों आरोपियों के

हाईकोर्ट सहित प्रदेश की जिला अदालतों में खुलेंगे शिशु गृह

थिंक राजस्थान • जोधपुर

राजस्थान हाईकोर्ट प्रशासन ने न्यायिक परिसरों में क्रेच (शिशु गृह) खोलने के निर्देश जारी किए हैं। इससे वकीलों, न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों और वादकारियों को अपने बच्चों की देखभाल की चिंता से राहत मिलेगी। ये क्रेच जोधपुर, जयपुर, जिला मुख्यालयों और अन्य अदालतों में खुलेंगे। इन क्रेच में 6 महीने से 8 साल तक के बच्चों को प्रवेश मिलेगा। सीटें 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर दी जाएंगी, जिसमें छोटे बच्चों को प्राथमिकता मिलेगी। प्रवेश के लिए एक हजार रुपए एकमुश्त और मासिक शुल्क 1500 रुपए तय किया गया है। आकस्मिक उपयोग के लिए प्रतिदिन 100 रुपए देने होंगे। बच्चों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे, अधिकृत व्यक्ति को ही बच्चे सौंपने की व्यवस्था, खेल सामग्री, बच्चों के अनुकूल शौचालय, शुद्ध पेयजल और प्राथमिक चिकित्सा किट अनिवार्य होंगे।

शारदीय नवरात्रा गरबा महोत्सव: छात्राओं ने जमकर खनकाए डांडिया

थिंक राजस्थान • बिलाड़ा। कस्बे के श्री आईजी विद्या मन्दिर सीनियर माध्यमिक विद्यालय में शारदीय नवरात्रा के उपलक्ष्य पर शनिवार को डांडिया (गरबा) महोत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान रंग बिरंगे आकर्षक परिधानों में सजी छात्राओं ने गरबा के लोक गीतों पर डांडियों की खनक के साथ समूह में गरबा खेला। इस दौरान संस्था प्रधान पुखराज सीरवी, निकिता रानी सोनी, प्रियंका सीरवी, संगीता सीरवी, विद्यालय स्टाफ सदस्य और छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

दो साल से फरार था 5 हजार का इनामी आरोपी: जयपुर से दबोचा

थिंक राजस्थान • अजमेर

अजमेर में नकबजनी के मामले में 5 हजार रुपए का इनामी बदमाश मोहम्मद शरीफ पिछले दो साल से फरार चल रहा था। अजमेर की

रामगंज थाना पुलिस ने जयपुर से आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी ने घर से जेवर और सामान चुराया था। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ में जुट गई है। दरअसल, आरोपी मोहम्मद शरीफ वारदात में मुख्य सरगना की भूमिका में था। पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी, लेकिन वह लगातार ठिकाने बदलकर गिरफ्तारी से बच रहा था। पुलिस ने तकनीकी जानकारी और लगातार तलाश के बाद उसे जयपुर में दबोच लिया।

थाना प्रभारी हरिपाल सिंह ने बताया कि 15 सितंबर 2024 को पीड़ित फिरोज खान ने रामगंज थाने में रिपोर्ट दी थी कि 12 सितंबर की रात उसके घर में चोरी हुई। चोर घर का सारा सामान अस्त-व्यस्त कर सोने-चांदी के जेवरात और अन्य सामान चोरी कर ले गए थे। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने पहले दो आरोपियों हातीम और आनंद को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में सामने आया कि वारदात में मोहम्मद शरीफ भी शामिल था। इसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। आरोपी का नाम और फोटो मिलने के बाद पुलिस ने अजमेर सहित आसपास के इलाकों में तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला।

जयपुर में मजदूरी कर रहा था आरोपी

आरोपी जयपुर में रहकर मजदूरी कर रहा है। इसके बाद टीम ने संभावित ठिकानों पर तलाश की और जयपुर के गोविंदम हॉस्टल के पास से उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी खानाबदोश प्रवृत्ति का है और लगातार ठिकाने बदल रहा था, जिससे उसकी गिरफ्तारी में देरी हुई। गिरफ्तार आरोपी पूर्व में गंज थाना क्षेत्र के हत्या (मर्डर) के एक मामले में भी शामिल रहा है।

बैंक एफडी से आगे निकल सकते हैं ये म्यूचुअल फंड?

■ ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ बाजार जोखिम भी, निवेश से पहले समझें कौन-सा विकल्प आपके लिए बेहतर

बैंक की सावधि जमा यानी एफडी को सुरक्षित निवेश का भरोसेमंद विकल्प माना जाता है। इसमें ब्याज दर पहले से तय रहती है और निर्धारित अवधि पूरी होने पर मिलने वाली रकम का अनुमान लगाया जा सकता है। लेकिन जो निवेशक थोड़ा जोखिम उठाकर बेहतर रिटर्न की संभावना तलाशना चाहते हैं, उनके सामने म्यूचुअल फंड भी एक विकल्प हो सकते हैं। भारतीय स्टेट बैंक म्यूचुअल फंड की कुछ योजनाएं अपेक्षाकृत कम अवधि या सीमित जोखिम वाले निवेश के उद्देश्य से बनाई गई हैं। हालांकि, इन्हें बैंक एफडी जितना सुरक्षित मानना सही नहीं है। म्यूचुअल फंड में रिटर्न की गारंटी नहीं होती और बाजार की परिस्थितियों के कारण निवेश की रकम घट भी सकती है।

1. एसबीआई सेविंग्स फंड

जिन निवेशकों को अपनी रकम कुछ महीनों के लिए निवेश करनी है, वे एसबीआई सेविंग्स फंड पर विचार कर सकते हैं। यह योजना मुख्य रूप से मनी मार्केट और अन्य अल्पकालिक ऋण साधनों में निवेश करती है। इसका उद्देश्य कम अवधि के लिए रकम का प्रबंधन करना होता है। हालांकि, इसका रिटर्न ब्याज दरों और पोर्टफोलियो में शामिल प्रतिभूतियों के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। यदि किसी निश्चित तारीख पर पूरी रकम की जरूरत है, तो निवेश से पहले निकासी की शर्तें और जोखिम जरूर समझें।

2. एसबीआई लो ड्यूरेशन फंड

यह फंड उन निवेशकों के लिए एक विकल्प हो सकता है, जिन्हें कुछ समय तक रकम की जरूरत नहीं है और वे ऋण आधारित निवेश चाहते हैं। इसमें ब्याज दरों में बदलाव तथा बॉन्ड जारी करने वाली कंपनियों की भुगतान क्षमता से जुड़ा जोखिम रहता है। निवेश करने से पहले फंड की क्रेडिट गुणवत्ता, पोर्टफोलियो की अवधि और खर्च का आकलन करना जरूरी है। कम अवधि का फंड होने का अर्थ यह नहीं है कि इसमें नुकसान की आशंका नहीं है।

3. एसबीआई बैंकिंग एंड पीएसयू फंड

इस श्रेणी के फंड मुख्य रूप से बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और वित्तीय संस्थानों की ऋण प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं। इन संस्थानों की साख अच्छी हो सकती है, लेकिन निवेश पूरी तरह जोखिम मुक्त नहीं होता। ब्याज दरों में बदलाव से बॉन्ड की कीमत प्रभावित हो सकती है। इसलिए निवेश की अवधि और जोखिम सहने की क्षमता के अनुसार ही फैसला लें।

4. एसबीआई आर्बिट्राज फंड

जो निवेशक सीधे शेयरों में पैसा लगाने से बचना चाहते हैं, वे आर्बिट्राज फंड की कार्यप्रणाली समझ सकते हैं। ऐसे फंड नकदी और वायदा बाजार में एक ही शेयर की कीमतों के अंतर से लाभ कमाने की कोशिश करते हैं। इनका जोखिम सामान्य इक्विटी फंड से अलग होता है, लेकिन रिटर्न निश्चित नहीं होता। निवेश से पहले खर्च, कर नियम और संभावित रिटर्न को समझना जरूरी है।

5. एसबीआई कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड

इस श्रेणी के फंड का बड़ा हिस्सा ऋण साधनों में और कुछ हिस्सा शेयरों में लगाया जाता है। इससे निवेशक को दोनों परिसंपत्ति श्रेणियों में भागीदारी मिलती है, लेकिन ब्याज दरों और शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का असर भी पड़ सकता है। इसे चुनने से पहले निवेश अवधि और जोखिम क्षमता का आकलन करें।

एफडी या म्यूचुअल फंड, क्या चुनें?

यदि आपको निश्चित ब्याज दर और तय अवधि में रकम की जरूरत है, तो बैंक एफडी आपकी जरूरत के अधिक अनुकूल हो सकती है। पात्र बैंक जमा पर डीआईसीजीसी के नियमों के तहत एक जमाकर्ता को एक बैंक में समान अधिकार और क्षमता में रखे मूलधन तथा ब्याज को मिलाकर अधिकतम पांच लाख रुपये तक जमा बीमा सुरक्षा मिलती है। दूसरी ओर, म्यूचुअल फंड में बेहतर रिटर्न की संभावना के साथ नुकसान का जोखिम भी रहता है।

त्योहार पर ऑफर देखकर न ललचाएं वरना बढ़ सकता है ईएमआई का बोझ

नो-कॉस्ट ईएमआई में ब्याज नहीं देने का दावा कर रहे बैंक

लेकिन छूट छोड़ने और अतिरिक्त शुल्क चुकाने से महंगी पड़ सकती है खरीदारी

मोबाइल, टीवी, फ्रिज से लेकर लैपटॉप तक हर सामान पर छूट और आसान किस्तों का लालच

त्योहारी सीजन में ऑनलाइन और ऑफलाइन बाजार आकर्षक ऑफरों से भरे हैं। मोबाइल, टीवी, फ्रिज से लेकर लैपटॉप तक, हर सामान पर छूट और आसान किस्तों का लालच दिया जा रहा है। इनमें नो-कॉस्ट ईएमआई का ऑफर खास तौर पर ग्राहकों को आकर्षित करता है। एकमुश्त रकम खर्च किए बिना सामान घर लाने और ब्याज नहीं देने का दावा पहली नजर में फायदे का सौदा लगता है। लेकिन सावधान! केवल कम मासिक किस्त देखकर खरीदारी का फैसला करना जेब पर भारी पड़ सकता है। कई बार नो-कॉस्ट ईएमआई के चक्कर में ग्राहक को नकद खरीदारी पर मिलने वाली छूट छोड़नी पड़ती है या प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्क चुकाने पड़ते हैं। ऐसे में त्योहार की खरीदारी से पहले ऑफर की चमक के बजाय उसकी वास्तविक लागत समझना जरूरी है।

नो-कॉस्ट ईएमआई का गणित?

नो-कॉस्ट ईएमआई में ग्राहक सामान की कीमत एक साथ चुकाने के बजाय तय अवधि में मासिक किस्तों के जरिए भुगतान करता है। सामान्य ईएमआई में मूल रकम के साथ ब्याज भी देना होता है, जबकि नो-कॉस्ट ईएमआई में ब्याज का खर्च किसी दूसरे तरीके से समायोजित किया जाता है। कई ऑफरों में बैंक या वित्तीय संस्थान के ब्याज की भरपाई विक्रेता या कंपनी की ओर से की जाती है। कुछ मामलों में इसके बदले ग्राहक को नकद खरीदारी पर मिलने वाली छूट नहीं मिलती। यानी ब्याज शून्य होने का दावा जरूरी नहीं कि खरीदारी को सबसे सस्ता बना दे। मान लीजिए, किसी मोबाइल की कीमत 30,000 रुपये है और नकद भुगतान पर 3,000 रुपये की छूट मिल रही है। ऐसे में मोबाइल 27,000 रुपये में खरीदा जा सकता है। वहीं, नो-कॉस्ट ईएमआई में यदि ग्राहक को यह छूट नहीं मिलती और उसे 30,000 रुपये किस्तों में चुकाने पड़ते हैं, तो बिना ब्याज के भुगतान करने के बावजूद वह 3,000 रुपये अधिक खर्च करेगा। इसके अलावा प्रोसेसिंग फीस या अन्य लागू शुल्क भी कुल लागत बढ़ा सकते हैं। इसलिए फैसला केवल ईएमआई की रकम देखकर नहीं, बल्कि दोनों विकल्पों की कुल कीमत की तुलना करके करना चाहिए।

खरीदारी से पहले इन बातों पर दें ध्यान

- **नकद कीमत से तुलना करें:** पता करें कि बिना ईएमआई के सामान कितने में मिल रहा है और किस्तों में लेने पर कुल भुगतान कितना होगा।
- **छूट का हिसाब लगाएं:** जांचें कि नो-कॉस्ट ईएमआई चुनने पर तत्काल छूट, कैशबैक या बैंक ऑफर का लाभ तो नहीं छूट रहा।
- **अतिरिक्त शुल्क देखें:** प्रोसेसिंग फीस, उस पर लागू कर और अन्य शुल्क जोड़कर वास्तविक लागत निकालें।
- **किस्त चुकाने की क्षमता परखें:** पहले से चल रहे कर्ज और ईएमआई के साथ नई किस्त जोड़कर देखें कि मासिक बजट पर कितना असर पड़ेगा।
- **देर से भुगतान की शर्तें पढ़ें:** किस्त चूकने पर लगने वाले शुल्क, ब्याज और अन्य नियमों की जानकारी पहले ही लें।
- **जरूरत को प्राथमिकता दें:** केवल त्योहार की छूट या सीमित समय के ऑफर के दबाव में गैरजरूरी सामान न खरीदें।

बचत को किस्तों से बचाएं

- त्योहारी खरीदारी के लिए सबसे बेहतर रणनीति बजट तय करके चलना है। पहले जरूरी सामान की सूची बनाएं, फिर अलग-अलग विक्रेताओं की कीमतों और भुगतान विकल्पों की तुलना करें। यदि एकमुश्त भुगतान के बाद आपातकालीन बचत प्रभावित होती है, तो उचित शर्तों वाली ईएमआई पर विचार किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आने वाले महीनों की आय से किस्तें आसानी से चुकाई जा सकें।
- नो-कॉस्ट ईएमआई का असली फायदा तभी है, जब वह नकदी का बेहतर प्रबंधन करे, न कि भविष्य की आय पर अनावश्यक बोझ डाले। त्योहार की खुशियां कुछ दिनों की होती हैं, लेकिन ईएमआई कई महीनों तक चल सकती है। इसलिए ऑफर देखकर नहीं, जरूरत, कुल लागत और अपनी भुगतान क्षमता देखकर खरीदारी करें।

कब फायदेमंद यह विकल्प

- नो-कॉस्ट ईएमआई हर स्थिति में नुकसान का सौदा नहीं है। यदि किसी जरूरी उपकरण की तत्काल आवश्यकता है और एकमुश्त भुगतान करने से घर का बजट बिगड़ सकता है, तो किस्तों में भुगतान उपयोगी विकल्प बन सकता है। इससे बचत की पूरी रकम एक साथ खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ती और उपलब्ध नकदी का इस्तेमाल दूसरी जरूरी जरूरतों के लिए किया जा सकता है। बशर्ते किस्तों पर खरीदारी की कुल लागत नकद कीमत के मुकाबले उचित हो और मासिक किस्त आसानी से चुकाई जा सके।
- हालांकि, केवल इसलिए महंगा मोबाइल, बड़ा टीवी या नया लैपटॉप खरीदना उचित नहीं है कि उसकी किस्त कम दिखाई दे रही है। यदि सामान की जरूरत नहीं है या मौजूदा उपकरण ठीक काम कर रहा है, तो केवल ऑफर के आकर्षण में खरीदारी करना खर्च बढ़ाने जैसा है।

घर का बजट न बिगड़ने दें

त्योहार की खरीदारी का असली फायदा तभी है, जब उससे घर का बजट न बिगड़े। नो-कॉस्ट ईएमआई का इस्तेमाल वित्तीय सुविधा के रूप में करें, अतिरिक्त खर्च करने के बहाने के तौर पर नहीं। खरीदारी से पहले यह तय करना जरूरी है कि सामान अभी लेना कितना आवश्यक है और उसके लिए भविष्य की कितनी आय खर्च करनी पड़ेगी। यदि किस्त चुकाने के बाद बचत, जरूरी खर्चों या आपातकालीन जरूरतों के लिए पर्याप्त पैसा नहीं बचेगा, तो खरीदारी टालना बेहतर है।एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि कई छोटी-छोटी ईएमआई मिलकर महीने के बजट पर बड़ा दबाव बना सकती हैं। इसलिए हर नई किस्त को अलग-अलग देखने के बजाय अपनी कुल मासिक देनदारी का हिसाब लगाएं। क्रेडिट कार्ड से जुड़ी ईएमआई में भुगतान की शर्तें और बकाया राशि पर लगने वाले शुल्क भी समझें। केवल विज्ञापन में दिख रही किस्त की रकम के आधार पर निर्णय न लें। आर्थिक समझदारी का अर्थ हर सुविधा से दूर रहना नहीं, बल्कि सुविधा का सही समय पर इस्तेमाल करना है। यदि नो-कॉस्ट ईएमआई से नकदी बचती है और कुल लागत भी उचित रहती है, तो इसका लाभ उठाया जा सकता है। लेकिन त्योहार का उत्साह क्षणिक है, जबकि भुगतान की जिम्मेदारी लंबे समय तक रहती है। खरीदारी ऐसी करें, जिसका आनंद बाद में आर्थिक चिंता में न बदले।

एसआईपी पर भरोसा बरकरार

सितंबर में रिकॉर्ड 32,490 करोड़ का निवेश, इक्विटी फंड में भी निवेश बढ़ा

तैयारी

स्मॉलकैप और मिडकैप फंड में सबसे ज्यादा पैसा आया; बाजार की चाल से ज्यादा निवेश की अवधि और जोखिम क्षमता पर ध्यान देना जरूरी

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और निवेश को लेकर अनिश्चितताओं के बीच म्यूचुअल फंड में नियमित निवेश करने वाले निवेशकों का भरोसा कायम है। सितंबर 2026 में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश बढ़कर रिकॉर्ड 32,490 करोड़ रुपये पहुंच गया। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में एसआईपी के जरिए 32,297 करोड़ रुपये का निवेश आया था। वहीं, इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश भी अगस्त के 29,329 करोड़ रुपये से बढ़कर सितंबर में 38,307 करोड़ रुपये हो गया। यह करीब 30.6 प्रतिशत की मासिक वृद्धि है। आंकड़े बताते हैं कि निवेशक बाजार में पैसा लगाने के लिए नियमित निवेश का रास्ता अपना रहे हैं। हालांकि, निवेश प्रवाह बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि बाजार में तेजी निश्चित है या हर श्रेणी का फंड बेहतर रिटर्न देगा।

फ्लेक्सीकैप फंड में शुद्ध निवेश 32.5 प्रतिशत बढ़कर 6,702 करोड़ पहुंचा

निवेश लगातार बढ़ रहा

एसआईपी निवेश का सबसे बड़ा फायदा नियमितता है। इसमें निवेशक हर महीने एक तय रकम म्यूचुअल फंड में लगाते हैं। इससे बाजार की चाल देखकर बार-बार निवेश का फैसला करने की जरूरत कम होती है। सितंबर में एसआईपी निवेश पिछले साल के इसी महीने के 29,361 करोड़ रुपये के मुकाबले करीब 11 प्रतिशत बढ़ा है। यह वृद्धि बताती है कि अधिक निवेशक नियमित निवेश की आदत बनाए हुए हैं। एसआईपी के जरिए निवेश करने पर बाजार नीचे होने पर समान रकम से अधिक और बाजार ऊपर होने पर अपेक्षाकृत कम यूनिट खरीदी जाती हैं। इसे रुपये की औसत लागत का लाभ कहा जाता है। हालांकि, इससे नुकसान की आशंका समाप्त नहीं होती और न ही मुनाफे की गारंटी मिलती है।

ये फंड चमके

सितंबर में स्मॉलकैप फंड निवेशकों की पहली पसंद रहे। इस श्रेणी में शुद्ध निवेश अगस्त के 7,973 करोड़ रुपये से बढ़कर 9,039 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, मिडकैप फंड में निवेश 6,989 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,835 करोड़ रुपये पहुंच गया। दोनों श्रेणियों में निवेश बढ़ना बताता है कि निवेशकों की दिलचस्पी अपेक्षाकृत अधिक उतार-चढ़ाव वाली कंपनियों में बनी हुई है। स्मॉलकैप और मिडकैप कंपनियों में भविष्य में तेजी से बढ़ने की संभावना हो सकती है, लेकिन इनके शेयरों में गिरावट का जोखिम भी अधिक रहता है। बाजार में कमजोरी आने पर इन फंडों के मूल्य में तेज गिरावट संभव है। इसलिए केवल अधिक निवेश आने के आंकड़े देखकर इनमें पैसा लगाना उचित नहीं है। निवेशक को अपनी जोखिम सहने की क्षमता, वित्तीय लक्ष्य और निवेश की अवधि को ध्यान में रखना चाहिए।

फ्लेक्सीकैप व लार्जकैप में भी सुधार

फ्लेक्सीकैप फंड में सितंबर के दौरान शुद्ध निवेश 32.5 प्रतिशत बढ़कर 6,702 करोड़ रुपये पहुंच गया। अगस्त में यह आंकड़ा 5,059 करोड़ रुपये था। फ्लेक्सीकैप फंड के प्रबंधक बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। इस वजह से इनका निवेश दायरा व्यापक होता है, हालांकि इनसे भी बाजार संबंधी जोखिम जुड़े रहते हैं। लार्जकैप फंड में भी निवेशकों की वापसी देखने को मिली। अगस्त में इन फंडों से 1,147 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई थी, जबकि सितंबर में 859 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया। लार्जकैप फंड मुख्य रूप से बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं। इन्हें स्मॉलकैप फंडों की तुलना में अपेक्षाकृत कम जोखिम वाला माना जा सकता है, लेकिन बाजार गिरने पर इनमें भी नुकसान हो सकता है।

कुल संपत्ति में गिरावट

इक्विटी फंड में निवेश बढ़ने के बावजूद म्यूचुअल फंड उद्योग की कुल प्रबंधनाधीन संपत्ति सितंबर में घटकर 82.64 लाख करोड़ रुपये रह गई। अगस्त में यह 87.08 लाख करोड़ रुपये थी। इस तरह एक महीने में करीब 4.44 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। इसका एक बड़ा कारण डेट म्यूचुअल फंड में भारी शुद्ध निकासी रही। सितंबर में डेट फंड से 1.83 लाख करोड़ रुपये निकाले गए, जबकि अगस्त में इनमें 8,127 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया था। इसके अलावा, बाजार के मूल्यांकन में बदलाव भी कुल संपत्ति के आंकड़े को प्रभावित कर सकता है। इसलिए म्यूचुअल फंड की कुल संपत्ति में गिरावट को केवल इक्विटी निवेशकों के भरोसे में कमी के रूप में देखना सही नहीं होगा।

जोखिम का आकलन जरूरी

सितंबर के आंकड़े नियमित निवेश के प्रति निवेशकों की बढ़ती रुचि दिखाते हैं, लेकिन निवेश का फैसला केवल लोकप्रियता के आधार पर नहीं होना चाहिए। सबसे पहले आपातकालीन जरूरतों के लिए पर्याप्त बचत रखें और महंगे कर्ज को प्राथमिकता से चुकाने की योजना बनाएं। इसके बाद अपने वित्तीय लक्ष्य के अनुसार निवेश की अवधि तय करें। लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन फंड की श्रेणी चुनते समय जोखिम क्षमता का ध्यान रखना जरूरी है।

बाजार में उतार-चढ़ाव : ऐसे में बाजार की चाल का अनुमान लगाने के बजाय निवेश की रणनीति बनाएं

एकमुश्त रकम लगाने से बचें, 5 से 10 लाख रुपये निवेश करने से पहले तय करें लक्ष्य, समयावधि और जोखिम उठाने की क्षमता

बिजनेस डेस्क। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह तय करना है कि पैसा कब और कहां लगाया जाए। जिन लोगों के पास 5 से 10 लाख रुपये की एकमुश्त राशि है, वे अक्सर बाजार में गिरावट का इंतजार करते हैं या तेजी देखकर पूरी रकम निवेश कर देते हैं। दोनों ही स्थितियों में जल्दबाजी नुकसान का कारण बन सकती है। विशेषज्ञों की सलाह है कि बाजार की अगली चाल का अनुमान लगाने के बजाय निवेश की अवधि, जोखिम उठाने की क्षमता और विविधीकरण पर ध्यान देना चाहिए। पूरी रकम एक ही दिन लगाने के बजाय चरणबद्ध निवेश करना जोखिम संभालने में मदद कर सकता है। हालांकि, इससे नुकसान की आशंका पूरी तरह समाप्त नहीं होती। जानकारों का कहना है कि हालिया गिरावट के बाद लार्जकैप शेयरों का मूल्यांकन अपेक्षाकृत आकर्षक नजर आ रहा है। 12 अक्टूबर के आंकड़ों के मुताबिक, निफ्टी-50 का पिछला 12 महीने का मूल्य-आय अनुपात 19.1 गुना था, जबकि निफ्टी मिडकैप-150 का 28.1 गुना और निफ्टी स्मॉलकैप-250 का 34.4 गुना था।

स्मॉलकैप में जोखिम को न भूलें : लंबी अवधि के निवेशकों के लिए स्मॉलकैप कंपनियों में विकास की संभावनाएं हो सकती हैं। लेकिन इन शेयरों में उतार-चढ़ाव अधिक होता है और गिरावट के दौरान नुकसान बड़ा हो सकता है। इसलिए स्मॉलकैप में निवेश तभी उचित है, जब निवेशक कम से कम पांच वर्ष तक पैसा लगाए रखने की स्थिति में हों और बाजार की गिरावट के दौरान घबराकर निवेश निकालने से बच सकें।

विविधीकरण से संभालें जोखिम : फ्लेक्सीकैप फंड बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। मल्टीकैप फंडों में इन तीनों श्रेणियों में कम से कम 25-25 प्रतिशत निवेश करना अनिवार्य है। वहीं, मल्टी-एसेट फंड इक्विटी, ऋण आधारित साधनों और सोने जैसी अलग-अलग परिसंपत्तियों में निवेश करते हैं। इससे किसी एक श्रेणी पर निर्भरता कम हो सकती है। हालांकि, हर फंड का जोखिम अलग होता है।

40:60 की रणनीति अपना सकते हैं : यदि आपके पास 10 लाख रुपये हैं, तो एक विकल्प के तहत 4 लाख रुपये शुरुआती चरण में और शेष 6 लाख रुपये अगले तीन से छह महीने में किस्तों में निवेश किए जा सकते हैं। पांच लाख रुपये की राशि के लिए यही अनुपात 2 लाख और 3 लाख रुपये होगा। इससे पूरी रकम बाजार के किसी एक स्तर पर लगाने का जोखिम कम हो सकता है। यह अनुपात हर निवेशक के लिए उपयुक्त हो, ऐसा जरूरी नहीं है; इसे लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुसार तय करना चाहिए।

निवेश से पहले लागत, गुणवत्ता और ग्राहकों की जरूरत का करें आकलन

दिवाली से पहले शुरू करें ये कारोबार, कम पूंजी में कमाई का मौका

आइडिया

त्योहारों का मौसम छोटे कारोबारियों और अपना काम शुरू करने की योजना बना रहे लोगों के लिए अतिरिक्त कमाई का अवसर लेकर आता है। दिवाली पर घरों की सजावट से लेकर मिठाई, उपहार और चॉकलेट तक की खरीदारी बढ़ जाती है। इस साल 8 नवंबर को दिवाली मनाई जाएगी। ऐसे में तैयारी के लिए सीमित समय बचा है। इच्छुक लोग अपनी पूंजी और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार छोटा कारोबार शुरू कर सकते हैं। कुछ काम घर से भी किए जा सकते हैं, जिससे दुकान का किराया बच सकता है। हालांकि, केवल त्योहार में मांग बढ़ने के अनुमान के आधार पर निवेश करना सही नहीं है। पहले स्थानीय बाजार, संभावित ग्राहकों, सामान की लागत और बिक्री की योजना समझना जरूरी है।

तोरण-सजावट, मिठाई, उपहारों की टोकरी और चॉकलेट की त्योहारों में बढ़ती मांग का उठाएं लाभ

तोरण और सजावटी सामान का कारोबार

दिवाली पर घरों और दुकानों को सजाने के लिए तोरण, बंदनवार, कृत्रिम फूल, रंगोली सामग्री, दीये, लाइटें और सजावटी वस्तुओं की खरीदारी होती है। कम पूंजी में इस कारोबार की शुरुआत सीमित उत्पादों से की जा सकती है। स्थानीय थोक बाजार से सामान खरीदकर घर, छोटी दुकान या इंटरनेट के माध्यम से बिक्री का विकल्प अपनाया जा सकता है। इस कारोबार में अलग-अलग बजट के उत्पाद रखना उपयोगी है। पारंपरिक सजावट के साथ आधुनिक डिजाइन और दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले उत्पाद भी ग्राहकों को आकर्षित कर सकते हैं। दिवाली के बाद क्रिसमस और नए साल की सजावट से संबंधित सामान बेचने की योजना भी बनाई जा सकती है। हालांकि, बचा हुआ मौसमी स्टॉक अगली बिक्री तक पूंजी फंसा सकता है, इसलिए जरूरत से ज्यादा सामान खरीदने से बचें।

मिठाई का काम

दिवाली पर मिठाइयों की मांग बढ़ने से यह कारोबार कमाई का अवसर दे सकता है। जिन लोगों को मिठाई बनाने का अनुभव है, वे सीमित मात्रा से शुरुआत कर सकते हैं। अन्य लोग किसी भरोसेमंद निर्माता से सामान लेकर बिक्री का विकल्प तलाश सकते हैं। पारंपरिक मिठाइयों के साथ छोटे पैक और उपहार पैक भी रखे जा सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक ग्राहकों के लिए कम चीनी या बिना अतिरिक्त चीनी वाले उत्पादों की मांग का आकलन किया जा सकता है। हालांकि, ऐसे उत्पादों पर स्पष्ट सामग्री और पोषण संबंधी जानकारी देना जरूरी है। मिठाई जल्दी खराब हो सकती है, इसलिए ताजगी, भंडारण, स्वच्छता और समय पर आपूर्ति का ध्यान रखें। खाद्य कारोबार शुरू करने से पहले लागू खाद्य सुरक्षा नियमों और एफएसएसएआई पंजीकरण या लाइसेंस की जरूरत की जानकारी अवश्य लें।

उपहारों की टोकरी बनाकर बेचें

दिवाली पर परिवारों, मित्रों और कारोबारी सहयोगियों को उपहार देने की परंपरा है। इसका लाभ उठाकर सूखे मेवे, सजावटी सामान, उपयोगी घरेलू वस्तुओं और अन्य उत्पादों की आकर्षक उपहार टोकरी तैयार की जा सकती है। ग्राहक के बजट के अनुसार छोटे, मध्यम और प्रीमियम पैक बनाए जा सकते हैं। इस कारोबार की खासियत यह है कि शुरुआत में बहुत अधिक स्टॉक रखना जरूरी नहीं। पहले नमूने तैयार करके ग्राहकों से ऑर्डर लिए जा सकते हैं। स्थानीय दुकानों, कार्यालयों और परिचित कारोबारियों से संपर्क करना भी उपयोगी हो सकता है। पैकिंग, उत्पादों की गुणवत्ता और समय पर आपूर्ति पर विशेष ध्यान दें। हर टोकरी की लागत में सामान, पैकिंग, परिवहन और अपने श्रम को शामिल करके ही कीमत तय करें।

घर से चॉकलेट बनाकर बेचें

हस्तनिर्मित चॉकलेट, उपहार पैक और आकर्षक पैकेजिंग वाले उत्पाद त्योहारों पर उपहार के विकल्प बन सकते हैं। चॉकलेट बनाने का कौशल रखने वाले लोग छोटे बैच से शुरुआत कर सकते हैं। स्थानीय ग्राहकों, परिचितों और इंटरनेट आधारित माध्यमों से ऑर्डर जुटाए जा सकते हैं। इस कारोबार में कच्चे माल की गुणवत्ता, स्वाद, पैकिंग और भंडारण महत्वपूर्ण हैं। गर्म मौसम या अनुचित भंडारण से चॉकलेट की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। इसलिए उत्पादन क्षमता के अनुसार ही ऑर्डर लें और समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करें। बड़े निवेश से पहले कुछ नमूने बनाकर ग्राहकों की प्रतिक्रिया लेना बेहतर होगा।

निवेश से पहले बनाएं खर्च का हिसाब

इन चारों कारोबारों में शुरुआती लागत उत्पादों की संख्या, गुणवत्ता, उपकरण, पैकिंग और बिक्री के माध्यम पर निर्भर करेगी। शुरुआत छोटी रखकर मांग के अनुसार विस्तार करना जोखिम सीमित कर सकता है। संभावित बिक्री को निश्चित मुनाफा न मानें। सामान की लागत के साथ परिवहन, बिजली, पैकिंग, खराब होने वाले उत्पाद और बिना बिके स्टॉक का खर्च भी जोड़ें। त्योहारों में कारोबार का अवसर जरूर है, लेकिन कमाई की गारंटी नहीं। ग्राहकों की जरूरत समझकर, गुणवत्ता बनाए रखकर और पूंजी का हिसाब रखते हुए शुरुआत की जाए तो छोटा मौसमी कारोबार आगे चलकर नियमित आय का जरिया भी बन सकता है।

'भारत माता की जय', 'मोदी- मोदी' और 'जय श्री राम' के नारे लगाए

लंदन में प्रवासी भारतीयों ने पीएम मोदी के समर्थन में निकाली रैली

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लंदन में प्रवासी भारतीयों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में भारतीय उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने तिरंगा लहराया और प्रधानमंत्री के पक्ष में नारे लगाए। 'भारत माता की जय', 'मोदी- मोदी' और 'जय श्री राम' नारे लगा प्रधानमंत्री और भारत सरकार के प्रति अपना समर्थन जताया। मौजूद लोगों ने कहा कि वो विदेशों में भारत की छवि बचाने के लिए इकट्ठा हुए हैं। उनका मानना है कि कुछ प्रदर्शन ऐसे हैं, जिनका मकसद देश की साख को नुकसान पहुंचाना है। लंदन में रहने वाले एक भारतीय न्यूज एजेंसी से बातचीत में बताया कि इस सभा का उद्देश्य उन कोशिशों का विरोध करना था, जिन्हें वे भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनाम करने की कोशिश मानते हैं।

लंदन में प्रवासी भारतीयों ने कहा कि वो विदेशों में भारत की छवि बचाने के लिए इकट्ठा हुए हैं। उनका मानना है कि कुछ प्रदर्शन ऐसे हैं, जिनका मकसद देश की साख को नुकसान पहुंचाना है

लंदन में भारतीय दूतावास के बाहर मोदी के समर्थन में प्रदर्शन करते प्रवासी भारतीय

पेशी से पहले यूट्यूबर ध्रुव राठी निकल गए लंदन

गुरुग्राम। यूट्यूबर ध्रुव राठी से जुड़े वर्ष 2018 के आपराधिक मानहानि मामले में शनिवार को दिल्ली की साकेत कोर्ट में सुनवाई हुई। ध्रुव राठी की ओर से अधिवक्ता अदालत में पेश हुए। उन्होंने बताया कि राठी लंदन चला गया है, इस कारण वह व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश नहीं हो सकता। आपराधिक मानहानि मामले में शनिवार को साकेत कोर्ट ने यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। दो दिन पहले कोर्ट ने राठी को समन जारी कर व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया था।

लोकतंत्र में शिकायतों का समाधान संवैधानिक तरीकों से होना चाहिए

भारत सरकार का विरोध करने वालों के तरीके पर सवाल उठाते हुए, वहां मौजूद एक व्यक्ति ने कहा कि लोकतंत्र में शिकायतों का समाधान कानूनी और संवैधानिक तरीकों से होना चाहिए, न कि ऐसे प्रदर्शनों से, जिनसे विदेशों में देश की छवि खराब हो सकती है। उन्होंने आगे कहा, "आप असल में किस बात का विरोध कर रहे हैं? भारत एक लोकतांत्रिक देश है। अगर आपको कोई शिकायत है, तो आप अदालतों, यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं और कानूनी व्यवस्था के जरिए न्याय पा सकते हैं। आपके पास सबूत कहां हैं? ऐसा लगता है कि आपका विरोध इसलिए है क्योंकि आप प्रधानमंत्री मोदी, उनके नेतृत्व और भारत की तरक्की को पसंद नहीं करते हैं।' भारतीय समुदाय के एक अन्य सदस्य ने बताया कि यह सभा प्रधानमंत्री और सरकार के समर्थन में आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि चूंकि सरकार एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिए चुनी गई है, इसलिए उसे देश चलाने का जनादेश प्राप्त है। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, "हम यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार के समर्थन में इकट्ठा हुए हैं, क्योंकि उन्हें भारत की जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से चुना है और उनके पास सत्ता में बने रहने का पूरा अधिकार है। प्रधानमंत्री मोदी के पास जनता का जनादेश है। जहां एक तरफ लोग गरीबी की बात करते हैं, वहीं पीएम मोदी सरकार की यह उपलब्धि काबिले तारीफ है कि उन्होंने गरीबों के 30 करोड़ (300 मिलियन) बैंक खाते खुलवाए हैं। प्रदर्शन में शामिल अन्य शख्स ने कहा, आज हम यहाँ भारत के समर्थन में और पीएम मोदी के साथ खड़े होने के लिए आए हैं। अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना और भारत को बदनाम करना, ये दोनों अलग-अलग बातें हैं। आप अपनी चिंताएं जाहिर कर सकते हैं, लेकिन ऐसा कोई काम नहीं करना चाहिए जिससे विदेशों में देश की छवि खराब हो।

खबर संक्षेप

ट्रंप की नई प्रेस सेक्रेटरी केटी जकारिया की छुट्टी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रेस सेक्रेटरी केटी जकारिया को पद संभालने के 4 दिन के अंदर हटा दिया गया है। उनके शुरुआती कामकाज के दौरान योग्यता को लेकर सवाल उठे थे। साथ ही मीडिया के सामने उनकी प्रस्तुतियों की भी आलोचना हुई थी। जकारिया को पद से हटा दिया गया है। उनकी अचानक विदाई ऐसे समय हुई है, जब अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में दो हफ्ते से कुछ ज्यादा समय बचा है।

अवैध मतदान के आरोप में भारतीय गिरफ्तार

वॉशिंगटन। अमेरिका के मिनेसोटा में 2024 के आम चुनाव में गैरकानूनी रूप से मतदान करने और खुद को अमेरिकी नागरिक बताने के आरोप में भारतीय नागरिक मुकेश कुमार सोमाभाई चौधरी को गिरफ्तार किया गया है। चौधरी पर गलत जानकारी देकर मतदान करने का गंभीर आरोप है। दोषी साबित होने पर उन्हें प्रत्येक आरोप में अधिकतम पांच साल की जेल हो सकती है।

भारत से मदद मांगेंगे नेपाली पीएम शाह

काठमांडू। नेपाल के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की नई दिल्ली की प्रस्तावित यात्रा के दौरान, नेपाल भारत से एक बड़े सहायता पैकेज की मांग कर रहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि शाह 22 या 23 नवंबर को नई दिल्ली जा सकते हैं।

समुद्र में मिली 9000 साल पहले डूबी बस्ती

कैनबरा। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के तट पर पानी के नीचे मिले पत्थर के औजारों से एक्सपर्ट को अहम जानकारी मिली है। रिसर्च से पता चलता है कि यहां कभी मीठे पानी का झरना था और यह जगह शायद आदिवासी समुदायों के इकट्ठा होने के लिए थी। यह जगह 9,000 साल पहले समुद्र में डूब गई थी। कई एक्सपर्ट का मानना है कि यहां मिली वस्तुएं उससे भी ज्यादा पुरानी हो सकती हैं। ये खोज उत्तर-पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के मुरुजुगा में हुई हैं।

राजनाथ की चेतावनी से तिलमिलाया पाकिस्तान

इस्लामाबाद। भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से सीमा पार आतंकवाद की किसी भी नई घटना पर जवाब की चेतावनी से पाकिस्तान तिलमिलाया है। उसके एक शीर्ष सैन्य कमांडर ने कहा है कि किसी भी 'मिस कैलकुलेशन' का जवाब ऐसा होगा, जिसकी कल्पना नहीं की गई होगी। इस बयान को दोनों देशों के बीच बढ़ते बयानबाजी के तनाव के संदर्भ में देखा जा रहा है।

रूसी तेल खरीद में राहत का रूस ने किया स्वागत

रूसी राष्ट्रपति को खुश करने में यूक्रेन भूल गए ट्रंप, अब जी-20 में बिछाएंगे रेड कार्पेट

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका वर्ष 2026 में जी 20 की अध्यक्षता कर रहा है। नेताओं का मुख्य शिखर सम्मेलन 14 और 15 दिसंबर 2026 को फ्लोरिडा के मियामी स्थित 'ट्रंप नेशनल डोराल' में आयोजित किया जाएगा

पत्रकारों ने ट्रंप से पूछा कि क्या पुतिन जी 20 बैठक में शामिल होने वाले हैं। इस पर ट्रंप ने कहा, नहीं, उन्होंने सिर्फ शामिल होने इच्छा जताई है। मुझे नहीं पता कि पुतिन खुद आएंगे या नहीं लेकिन अगर वे आते हैं तो मैं जरूर उनका स्वागत करूंगा। ईंधन की कीमतों से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए ट्रंप ने खुद जी 20 का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जी 20 बैठकों में रूस के प्रतिनिधि पहले भी शामिल होते रहे हैं। अमेरिका 2026 जी 20 की अध्यक्षता कर रहा है।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो 30 और 31 अक्टूबर को जॉर्जिया के अटलांटा में जी 20 विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करेंगे। इसके बाद 14 और 15 दिसंबर को ट्रंप फ्लोरिडा के मियामी स्थित ट्रंप नेशनल डोरल में जी 20 नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह चीन और रूस दोनों के साथ परमाणु समझौता करना चाहते हैं। हालांकि उन्होंने माना कि उन्हें नहीं लगता कि ऐसा इस साल हो पाएगा। वहीं, यूक्रेन युद्ध को लेकर जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह भूल गए हैं कि युद्ध की शुरुआत पुतिन ने की थी, तो उन्होंने कहा, देखिए, मुझे सभी बातें पता हैं।

रूस ने अमेरिका के इस फैसले को बताया ऐतिहासिक कदम

मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण यही कि युद्ध खत्म होना चाहिए...

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह युद्ध खत्म होना चाहिए। उन्होंने कहा, औसतन हर महीने करीब 25,000 सैनिक मारे जा रहे हैं। पिछले महीने यह संख्या 32,000 थी। मैं दोनों पक्षों से बात करता हूं। मुझे लगता है कि दोनों इस युद्ध को खत्म करना चाहते हैं और मेरा पूरा ध्यान इसी पर है कि यह युद्ध समाप्त हो। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या अमेरिका ने यूक्रेन की ओर से 'स्टारशील्ड' के इस्तेमाल पर कोई प्रतिबंध लगाया है, तो उन्होंने साफ कहा, नहीं, हमने ऐसा बिल्कुल नहीं किया है।

बढ़ रही रूस और अमेरिका की नजदीकी

यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की की आलोचना करने और रूस के साथ नजदीकी बढ़ने के दौरान ट्रंप का ये आदेश सामने आया है। इधर, कुछ दिनों से अमेरिका और रूस की नजदीकी देखी जा रही है। अमेरिकी राष्टपति ट्रंप रूस और यूक्रेन दोनों के ही राष्ट्राध्यक्षों से युद्ध रोकने की अपील कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने दोनों ही देशों पर कई तरह से दबाव डाला, लेकिन अब तक वे युद्ध रोकने में नाकाम ही रहे हैं।

ट्रंप ने हटाया टैरिफ तो गदगद हो गए पुतिन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के खिलाफ नए प्रतिबंधों के पैकेज को लागू न करने का फैसला लिया है। जिसकी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के विशेष दूत किरिल दिमित्रिएव ने सराहना की है। उन्होंने ट्रंप के इस फैसले को ऐतिहासिक क्षण करार दिया है। दिमित्रिएव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स इस संबंध में एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने पोस्ट में कहा, ट्रंप प्रशासन की तरफ से ग्राहम एक्ट को सस्पेंड करना एक महत्वपूर्ण और देखा जाए तो यह असल में ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने कहा, प्रतिबंधों और टकराव के बजाय हमें बातचीत, पारस्परिक रूप से फायदेमंद सहयोग और वैश्विक स्थिरता के लिए साझा जिम्मेदारी की जरूरत है।

भावुक हुए अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति

बंदूक जाम हो गई, मेरा परिवार बच निकला...

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में भारतीय समुदाय को निशाना बनाकर सामूहिक गोलीबारी करने की साजिश को याद करते हुए अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति भावुक हो गए। उन्होंने बताया कि इलिनॉय के औरोरा स्थित हिंदू मंदिर में जब हमले की कोशिश हुई, तब उनका परिवार भी वहां मौजूद था।

कृष्णमूर्ति ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि हमलावर की बंदूक कैसे जाम हुई और उनका परिवार समेत दूसरे लोग कैसे बच निकले। उन्होंने इस घटना को नफरत के खिलाफ आवाज उठाने के अपने जीवन के उद्देश्य से भी जोड़ा।

19 साल के युवक पर हमले की साजिश रचने का आरोप: इस मामले में 19 वर्षीय अलेक्जेंड्रोस पापोराकिस को गिरफ्तार किया गया है। उस पर आतंकवादी धमकी देने और अवैध रूप से हथियार रखने के आरोप लगाए गए हैं।

धमकियों को नजरअंदाज नहीं कर सकते...

कृष्णमूर्ति ने इस कथित साजिश को बेहद परेशान करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि औरोरा के हिंदू मंदिर में भारतीय अमेरिकियों को निशाना बनाकर सामूहिक गोलीबारी की कोशिश किए जाने से वह स्तब्ध हैं। उन्होंने बताया कि घटना के समय उनका परिवार भी मंदिर में मौजूद था। यह हमला पिछले रविवार को करने की कोशिश की गई थी। सांसद ने आरोपी के सहकर्मियों का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने कानून प्रवर्तन एजेंसियों को इसकी जानकारी दी। उन्होंने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करने वाले अधिकारियों की भी सराहना की। उन्होंने चेतावनी दी कि नफरत से प्रेरित हिंसा की धमकियों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

अमेरिकी सांसदों ने की कार्रवाई की मांग

अमेरिकी इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष रो खन्ना और रिच मैककॉर्मिक ने भी सामूहिक गोलीबारी की कथित साजिश की निंदा की। दोनों सांसदों ने अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजी) और संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) से मामले में कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि हिंदू अमेरिकियों और भारतीय अमेरिकियों के खिलाफ बढ़ती धमकियों और नफरत को गंभीरता से लेने की जरूरत है। दोनों सांसदों ने मांग की कि मामले की संभावित संघीय घृणा अपराध के तौर पर जांच की जाए और सबूतों के आधार पर सभी जरूरी आरोप लगाए जाएं।

बांग्लादेश में बड़ा हादसा

समुद्र तटीय रिसॉर्ट में आग लगने से 10 की मौत व 9 लोग घायल

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी जिले कॉक्स बाजार में शनिवार सुबह एक समुद्र तटीय रिसॉर्ट में भीषण आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ लोग घायल हो गए। आग सुबह करीब 6:30 बजे इनानी इलाके में स्थित टुपटुप रेस्टो एंड रिसॉर्ट में लगी। यह रिसॉर्ट मरीन ड्राइव पर पटुआरटेक बीच के पास है। दमकल विभाग के प्रवक्ता तल्हा बिन जासिम ने दोपहर करीब 1:30 बजे मृतकों की संख्या की पुष्टि की।

रिसॉर्ट में करीब 30 लोग मौजूद थे

आग लगने के समय रिसॉर्ट में करीब 30 लोग मौजूद थे। इनमें से चार से पांच लोग किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहे। हालांकि, बाकी लोगों के ठिकाने और उनकी स्थिति के बारे में तत्काल स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी। ऐसे में हादसे में प्रभावित लोगों की पूरी स्थिति जानने के लिए अधिकारियों की जांच अहम है।

बांग्लादेश में कड़ी सुरक्षा के बीच दुर्गा पूजा का आयोजन

33,851 पंडालों में विराजी मां इस बार 1500 की हुई बढ़ोतरी

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय का सबसे बड़ा वार्षिक त्योहार दुर्गा पूजा व्यापक सुरक्षा इंतजामों के बीच मनाया जा रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री तारिक रहमान और राष्ट्रपति मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने हिंदू समुदाय को शुभकामनाएं देते हुए धार्मिक सद्भाव, समान अधिकारों और सभी नागरिकों की सुरक्षा पर जोर दिया।

सरकार ने पूजा स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के साथ त्योहार की छुट्टियां भी बढ़ाई हैं। बांग्लादेश पूजा उद्जापन परिषद के

अनुसार, इस साल देशभर में कुल 33,851 दुर्गा पूजा पंडाल बनाए गए हैं। इनमें राजधानी ढाका के 258 पंडाल शामिल हैं।

पिछले साल की तुलना में इस बार पंडालों की संख्या में करीब 1,500 की बढ़ोतरी हुई है। दुर्गा पूजा बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय का सबसे बड़ा वार्षिक धार्मिक आयोजन है।

यूक्रेनी सेना के युद्ध अभियान पर पड़ा असर

यूक्रेन में स्टारलिंक की स्पीड घटाने से भड़क गए राष्ट्रपति जेलेंस्की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एलन मस्क की कंपनी अपनी सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सर्विस स्टारलिंक को भारत में लॉन्च करने के लिए काफी दिलचस्पी दिखा रही है। यही कारण है कि मस्क ने मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस जियो को लेकर कई विवादित बयान दिए।

रिलायंस ने भी पलटवार किया। अंबानी की कंपनी ने कहा कि वह प्रतिस्पर्धा से नहीं डरती है बल्कि सभी का स्वागत करती है। इसके बाद एलन मस्क के तेवर नरम पड़े और उन्होंने आभार प्रकट किया। दोनों ही कंपनियों के बीच फिलहाल झगड़ा खत्म हो गया है। हालांकि,

रूस-यूक्रेन युद्ध में स्टारलिंक की भूमिका पर सवाल खड़े होने लगे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स द्वारा संचालित स्टारलिंक नेटवर्क ने अचानक ड्रोन उड़ानों की इंटरनेट कनेक्टिविटी स्पीड पर रोक लगा दी। इसका सबसे ज्यादा असर यूक्रेन की सेना के युद्ध अभियान पर देखने को मिला है।

जेलेस्की के आरोपों पर मस्क ने दी सफाई

यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेस्की ने इस कदम पर कड़ी नाराजगी जताते हुए इसे केवल तकनीकी खराबी मानने से इनकार किया। दूसरी तरफ एलन मस्क ने एक्स पर सफाई देते हुए कहा कि सैन्य-ग्रेड सेवा स्टारशील्ड का नियंत्रण सीधे अमेरिकी रक्षा मंत्रालय और राष्ट्रपति के हाथों में है। उन्होंने कहा कि स्टारलिंक का उपयोग व्यावसायिक और रक्षात्मक कार्यों तक ही सीमित है। इसका उपयोग आक्रामक सैन्य कार्रवाइयों के लिए नहीं किया जा सकता है।

देश के संविधान से प्रत्येक नागरिक को मिले हैं सभी जरूरी अधिकार

बोले अनुज स्वरूप, तथ्यों से परे सिर्फ सुनी-सुनाई बातों के आधार पर लगाए जा रहे बेबुनियाद आरोप बर्दाश्त नहीं करेगा भारत

सीजेपी के प्रदर्शनों पर संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट को भारत ने किया सिरे से खारिज

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शनों में मामले की गूंज अमेरिका के बाद अब संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में भी सुनाई पड़ी है। जिसमें दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र के रूप में भारत की सराहना करने के बजाय उस पर उलजुलूल आरोप लगाए गए हैं। मामला बेहद गंभीर होने के साथ ही देश की वैश्विक मंच पर गढ़ी जा रही छवि से जुड़ा था। इसलिए बिना किसी देरी के यूएन में भारत के प्रथम सचिव अनुज स्वरूप ने कमान संभाली और

जोरदार अंदाज में सभी आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि बिना किसी आधिकारिक पुष्टि वाले अनाम बयानों यानी सिर्फ और सिर्फ सुनी सुनाई बातों के आधार पर हम पर लांछन लगाने की किसी भी कोशिश को भारत बर्दाश्त नहीं करेगा। सीजेपी का मुख्य उद्देश्य सीजेआई को हटाना है।

युवाओं से छीना प्रदर्शन का अधिकार

यूएन महासभा की तीसरी समिति के 81वें सत्र के दौरान विशेष प्रतिवेदक (स्पेशल रैपोर्टियर) जीना रोमेरो ने रिपोर्ट प्रस्तुत कर नई दिल्ली पर यह आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भारत में दरअसल युवाओं को किसी मुद्दे पर प्रदर्शन करने का भी अधिकार नहीं है। अगर वो ऐसा कुछ करने की सोचते भी हैं तो उन्हें इससे वंचित किया जा रहा है। जबकि हकीकत ये है कि युवा लोकतंत्र और जवाबदेही जैसे मामलों पर अपना पक्ष देश के सामने रखना चाहते हैं। लेकिन भारत की सरकार कानूनी पाबंदियों का उपयोग कर उन्हें आंदोलन स्थलों से बाहर रख रही है। रोमेरो के मुताबिक, बात यहीं पर खत्म नहीं होती है, भारत में प्रदर्शन में शामिल लोगों को डिजिटल निगरानी की मार भी झेलनी पड़ रही है। यह रिपोर्ट शांतिपूर्ण सभा और संगठन की स्वतंत्रता के अधिकार पर आधारित थी। जिसमें उन्होंने ये भी कहा कि भारत में जब युवा मानसिक स्वास्थ्य, लैंगिग समानता जैसे जरूरी विषयों पर विचार-विमर्श के साथ संवाद करते हैं तो उन्हें बदले की कार्रवाई तथा सामाजिक प्रताड़ना से दो चार होना पड़ता है।

भारतीय संविधान को ध्यान से पढ़ें

स्वरूप ने रोमेरो को दो टूक अंदाज में कहा कि भारत के संविधान की धारा-19 देश के प्रत्येक नागरिक को समान रूप से जरूरी अधिकार प्रदान करती है। जिसमें वे किसी संगठन का गठन करने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐतिहासिक आंदोलन, प्रदर्शन इसकी पुष्टि करते हैं। नागरिकों को सुरक्षा व संरक्षा प्रदान करने की गारंटी एक स्वतंत्र न्यायपालिका, प्रेस और एक सशक्त राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा प्रदान की जाती है।

अमेरिकी सांसदों पर भड़के पूर्व विदेश सचिव

जहर उगलने वाले ये हाशिए के नेता, सिर्फ शोर मचा रहे: कंवल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन को लेकर अमेरिका के 6 सांसदों की ओर से विदेश मंत्री मार्को रुबियो को लिखी गई चिट्ठी पर भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस पहल को महज शोर-शराबा बताते हुए कहा कि इससे भारत में अमेरिका के प्रति नकारात्मक धारणा बनेगी। सिब्बल ने अमेरिकी सांसदों की आलोचना करते हुए कहा कि इस याचिका का कोई खास महत्व नहीं है।

6 अमेरिकी सांसदों ने मार्को रुबियो को लिखी चिट्ठी

अमेरिका के 6 सांसदों ने भारत में चल रहे विरोध प्रदर्शन का समर्थन करते हुए मानवाधिकारों को लेकर चिंता जताई है। इस संबंध में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को चिट्ठी लिखी गई है। इस पर प्रमिला जयपाल, जेम्स पी. मैकगवर्न, जीसस जी. चुई गार्सिया, रशीदा तलीब, एलेनोर होम्स नॉर्टन और इल्हान उमर ने हस्ताक्षर किए हैं। सांसदों ने अपनी चिट्ठी में भारत में विरोध प्रदर्शन और मानवाधिकारों से जुड़े मुद्दों पर चिंता जाहिर की है।

फोकिना ने किया बड़ा उलटफेर, विश्व के नंबर 2 ज्वेरेव को हराकर ली फाइनल में एंट्री

एजेंसी ▶▶| शंघाई

शंघाई मास्टर्स के सेमीफाइनल में एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना ने विश्व के नंबर 2 खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर बड़ा उलटफेर किया है। यह स्पेनिश खिलाड़ी के करियर की सबसे बड़ी जीतों में से एक है।

डेविडोविच फोकिना ने अपने करियर में दूसरी बार जर्मन खिलाड़ी ज्वेरेव को हराया। शंघाई के स्टेडियम कोर्ट पर खेले गए इस कड़े सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने ज्वेरेव को 5-7, 6-4, 6-3 से मात दी। यह मैच दो घंटे छह मिनट तक चला। विश्व के नंबर 26 रैंकिंग वाले खिलाड़ी डेविडोविच फोकिना पहला सेट हार गए थे, जो काफी कड़ा मुकाबला रहा। इसके बाद उन्होंने अपना खेल बेहतर किया, बेसलाइन पर शानदार प्रदर्शन दिखाया और दूसरे सेट के 10वें गेम में टॉप सीड ज्वेरेव की सर्विस तोड़ दी। उन्होंने 46 मिनट में दूसरा सेट अपने नाम कर लिया।

फोकिना ने ज्वेरेव को 2 घंटे 6 मिनट में दी मात

ज्वेरेव ने किया डबल फॉल्ट

तीसरे सेट की शुरुआत में ज्वेरेव ने डबल फॉल्ट किया, जिससे डेविडोविच फोकिना को बड़ा फायदा मिला। इस मौके का फायदा उठाते हुए उन्होंने अपनी लय बनाए रखी और पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने संयम बनाए रखते हुए अपनी सर्विस पर तीसरा सेट जीता और अपने करियर के दूसरे एटीपी मास्टर्स 1000 के फाइनल में जगह बनाई।

फोकिना ने बचाए रखी अपनी सर्विस

तीसरे सेट में जब स्कोर 5-2 था और ज्वेरेव सर्विस कर रहे थे, तब डेविडोविच फोकिना के पास दो मैच प्वाइंट थे, लेकिन वे उन्हें भुना नहीं पाए। जर्मन खिलाड़ी ने हार नहीं मानी और एक और गेम के लिए संघर्ष किया। हालांकि, यह संघर्ष ज्यादा देर तक नहीं चला, क्योंकि डेविडोविच फोकिना ने अपनी सर्विस बचाए रखी और सेट के साथ-साथ मैच भी जीत लिया।

मैंने बस खेल का आनंद लिया : डेविडोविच

डेविडोविच फोकिना ने कहा, नतीजा क्या होगा, इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं बस हर एक गेंद पर ध्यान दे रहा था। मुझे पता था कि अगर मैं पूरे मैच में डटा रहा, तो मुझे कम से कम एक मौका जरूर मिलेगा, और मुझे वह मौका दूसरे सेट में मिला। फिर तीसरे सेट में मुझे लगता है कि मैं शारीरिक रूप से बेहतर था। तीसरे सेट की शुरुआत में मिली ब्रेक (सर्विस तोड़ना) से मुझे काफी ताकत मिली। मैंने सिर्फ खेलने पर ध्यान दिया, नतीजे की परवाह नहीं की, बस खेल का आनंद लिया। फोकिना ने कहा, अंत में जब आप बाहर होते हैं तो चीजें आसान नहीं होतीं। आपके पास सोचने के लिए बहुत समय होता है। यहां होना और इस खेल को खेलना हमारे लिए बहुत सौभाग्य की बात है। इस समय ने मुझे यह सोचने का काफी मौका दिया कि मैं अपने भविष्य में क्या करना चाहता हूं। फाइनल में डेविडोविच फोकिना का मुकाबला राफेल जोदार या डेनिल मेदवेदेव में से किसी एक से होगा।

खबर संक्षेप

हांगकांग सिक्सेस के कप्तान बने कृणाल

हांगकांग। तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को न्यूजीलैंड दौरे के लिए राष्ट्रीय टीम में वापस बुलाए जाने के भारतीय हरफनमौला कृणाल पंड्या को हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट के लिए सात सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कुलवंत खेजरोलिया टूर्नामेंट के लिए टीम में भुवनेश्वर की जगह लेंगे। हांगकांग सिक्सेस का आयोजन 30 अक्टूबर से एक नवंबर तक होगा। कृणाल पहले से ही टीम का हिस्सा थे। भारतीय टीम के अन्य सदस्यों में शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नीतीश राणा, राहुल त्रिपाठी और टी. नटराजन शामिल हैं।

बांग्लादेश को झटका, लिटन दास त्रिकोणीय सीरीज से बाहर

अबू धाबी। बांग्लादेश के वनडे कप्तान लिटन दास, अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के साथ खेली जा रही त्रिकोणीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। हिप जॉइंट में चोट के कारण लिटन दास को सीरीज शुरू होने से ठीक पहले ही टीम से बाहर होना पड़ा है। उनकी गैर-मौजूदगी में तौहीद हृदोय टीम की कमान संभाल रहे हैं। लिटन दास को इस साल की शुरुआत में मेहदी हसन मिराज की जगह बांग्लादेश की वनडे टीम का पूर्णकालिक कप्तान बनाया गया था। यह फैसला टीम प्रबंधन ने अगले वर्ष होने वाले आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप की तैयारियों को मद्देनजर रखते हुए लिया था, ताकि टीम एक स्थिर नेतृत्व के साथ अपने अभियान को मजबूत कर सके। त्रिकोणीय सीरीज के पहले मैच में बांग्लादेश का सामना जिम्बाब्वे से हो रहा है, जिसमें जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला लिया है। बांग्लादेश की टीम में मेहदी हसन मिराज भी नहीं खेल रहे हैं, क्योंकि उन्हें बुखार है।

एआईटीए रोस्टर में बोपन्ना को नहीं मिली जगह

नई दिल्ली। दुनिया के पूर्व नंबर एक युगल खिलाड़ी रोहन बोपन्ना को एआईटीए उत्कृष्ट योग्यता वाले खिलाड़ी (एसओएम) की सूची में जगह नहीं मिली है क्योंकि राष्ट्रीय खेल प्रशासन नियमों 2026 के तहत खेल से संन्यास को कम से कम एक वर्ष पूरा होने की शर्त वह पूरी नहीं करते। 46 वर्ष के बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस से एक नवंबर 2025 को संन्यास लिया था। एआईटीए ने जब 16 अक्टूबर 2026 को एसओएम रोस्टर जारी किया, जो उसमें बोपन्ना संन्यास को एक साल पूरा होने की अवधि से कुछ दिन से चूक गए।

महिला टी-20 : भारत और जिम्बाब्वे के बीच मैच शाम 7 बजे से

जिम्बाब्वे के खिलाफ लय तलाशने उतरेगा भारतीय शीर्ष क्रम, दूसरा मुकाबला आज

रायपुर

पहले मैच में असफल रहे भारतीय शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रविवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अधिक आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी करने की कोशिश करेंगे। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की नाकामी के कारण भारतीय टीम पहले मैच में एक समय संकट में दिख रही थी। भारतीय बल्लेबाजों ने जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण को सहजता से लिया, जिससे वह संकट में पड़ गए। जिम्बाब्वे की तरफ से ऑफ स्पिनर न्याशा ग्वांजुरा ने पावरप्ले में तीन विकेट लिए। भारत के चोटी के बल्लेबाज अब दूसरे मैच में इसकी भरपाई करने की कोशिश करेंगे।

हम आक्रामक खेल खेलना चाहते हैं : दीप्ति

दीप्ति में एक बार फिर से दिखाया कि वह भारत के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। इस ऑलराउंडर ने कहा कि कुछ ऐसे मौके भी आएंगे जब विपक्षी टीम हावी रहेगी। दीप्ति ने कहा, 'निश्चित रूप से हम आक्रामक खेल खेलना चाहते हैं और यही बात हमारे दिमाग में थी।' उन्होंने कहा, 'मैच में कभी-कभी ऐसा होता है। आप जो चाहते हैं भगवान हमेशा आपको वही नहीं देता है। लेकिन हम हमेशा सीखते हैं। मुझे यकीन है कि आज जो हुआ वह अगले मैच में नहीं होगा।' दीप्ति ने कहा, 'निक्की ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। ऐसा लग ही नहीं रहा था कि वह अपना पहला मैच खेल रही है। एक युवा खिलाड़ी का यह आत्मविश्वास सराहनीय है। मुझे विश्वास है कि इस मैच से उसे काफी आत्मविश्वास मिलेगा।'

नेतृत्व करने उत्सुक होंगी मंधाना

मंधाना का यह पूर्णकालिक कप्तान के रूप में पहला मैच था, जिसमें बल्लेबाज के रूप में वह नाकाम रहीं और अब वह आगे बढ़कर नेतृत्व करने के लिए उत्सुक होंगी। भारत के लिए बल्लेबाजी में सकारात्मक पहलू निक्की प्रसाद का शानदार प्रदर्शन रहा। उन्होंने दबाव में भी संयम और स्ट्रोकप्ले का शानदार नमूना पेश किया।'

स्पिन के खिलाफ भारत की कमजोरी उजागर

भारतीय गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे को 5 विकेट पर 114 रन ही बनाने दिया। उसकी टीम सलामी बल्लेबाज केलिस नधलोवु और शार्ने मेयर्स से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी, जिन्होंने पहले मैच में बल्लेबाजी में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। जिम्बाब्वे को यह भी उम्मीद होगी कि ग्वांजुरा अपने प्रभावशाली प्रदर्शन को बरकरार रखने में कामयाब होंगी। उन्होंने पावरप्ले के दौरान स्पिन के खिलाफ भारत की कमजोरी को उजागर किया था।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : स्मृति मंधाना (कप्तान), हरमनप्रीत कौर, शेफाली वर्मा, निक्की प्रसाद, अनुष्का शर्मा, ऋचा घोष, कमलिनी, दीप्ति शर्मा, प्रेमा रावत, श्रीचरणी, नंदनी शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, जिन्तिमणि कलिता, मिन्नू मणि।

जिम्बाब्वे : जोसेफिन नकोमो (कप्तान), बिलव्ड बिजा, चिपो मुगेरी-तिरिपानो, केलिस नधलोवु, मिशेल मावुंगा, न्याशा ग्वांजुरा, नोम्पिलो सिबांडा, लॉरिन फिरी, विएजा दुरुरु, मोडेस्टर मुपाचिक्वा, तेंदाबोई मायकुशा।

मैच का समय : शाम 7 बजे

भारत-वेस्टइंडीज 5वां मैच रद्द, 2-2 से सीरीज बराबर

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांचवां और निर्णायक टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला शनिवार को बारिश के कारण रद्द हो गया, जिससे 5 मैचों की श्रृंखला 2-2 से बराबर रही। बारिश के कारण मुकाबला 2 घंटे 15 मिनट की देरी से शुरू हुआ और इसे 9-नौ ओवर का कर दिया गया। भारतीय पारी के दौरान आठवें ओवर में एक बार फिर बारिश ने खेल रोक दिया। इसके बाद कुछ देर की इंतजार के बाद अंपायरों ने मुकाबला रद्द करने का फैसला किया। मैच रद्द होने से पहले ईशान किशन और नमन धीर ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए भारत को 7.4 ओवर में 5 विकेट पर 118 रन के मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया था। किशन ने महज 10 गेंदों में 30 रन ठोके, जबकि धीर ने सिर्फ 6 गेंदों में नाबाद 24 रन बनाए। लगातार बारिश के कारण मुकाबला रात 9.15 बजे शुरू हो सका। शाम करीब 4 बजे शुरू हुई बारिश के चलते मैच में काफी देरी हुई और इसे रात 10.03 बजे बारिश ने फिर खेल रोक दिया। इसके बाद वेस्टइंडीज को पांच ओवर में लक्ष्य का पीछा करने का मौका देने के लिए रात 10.21 बजे तक का कटऑफ समय तय किया गया था, लेकिन बारिश नहीं थमी और रात 10.18 बजे ही मुकाबला रद्द घोषित कर दिया गया।

पहली बार आईपीएल में कोचिंग देंगे चामिंडा वास

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चमिंडा वास को आईपीएल के अगले सत्र से पहले शनिवार को तेज गेंदबाजी कोच के रूप में अपने नए कोचिंग स्टाफ में शामिल किया। श्रीलंका के सबसे सफल गेंदबाजों में से एक वास को मुनाफ पटेल की जगह तेज गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है। मुनाफ पिछले दो सत्र से टीम के गेंदबाजी कोच थे। वास ने अपने करियर में 111 टेस्ट मैचों में 355 विकेट और वनडे मैचों में 400 विकेट लिए हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने पोस्ट किया, 'विश्व कप विजेता और श्रीलंका के अब तक के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज। टाइगर टेरिटरी (दिल्ली कैपिटल्स) में आपका स्वागत है, कोच।' वास दिल्ली कैपिटल्स में सौरव गांगुली की अगुवाई वाली नई कोचिंग टीम का हिस्सा होंगे। फ्रेंचाइजी में हाल में ही पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह को भी बल्लेबाजी और सहायक कोच के रूप में अपने सहयोगी स्टाफ में शामिल किया था।

अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप

अमृता ने जीता चांदी भारत को मिले दो पदक

एजेंसी ▶▶| लास वेगास

भारतीय पहलवान अमृता पुजारी को अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के महिला 72 किग्रा वर्ग के फाइनल में यूक्रेन की इरीना जाब्लोत्स्का के खिलाफ चित होने के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

इसके साथ ही भारतीय महिला पहलवानों का अभियान दो पदकों के साथ समाप्त हो गया। अमृता मुकाबले में 0-6 से पीछे चल रही थीं, तभी जाब्लोत्स्का ने उन्हें चित कर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया।

भारत की स्वीटी के पास एक और पदक जीतने का मौका था, लेकिन वह 53 किग्रा वर्ग के कांस्य पदक के मुकाबले में यूक्रेन की अनास्तासिया पोल्स्का से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 0-11 से हार गईं।

वैष्णवी पाटिल रेपचेज में नहीं उठा सकीं फायदा

स्वीटी ने रेपचेज दौर में चीन की शियाओतोंग जेंग को 11-10 से हराकर कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई थी। वैष्णवी पाटिल भी रेपचेज में मिले मौके का फायदा नहीं उठा सकीं। उन्हें जापान की हारुका कोबारू के खिलाफ 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले कोमल ने महिला 59 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता था।

पुरुष पहलवानों का प्रदर्शन निराशाजनक

भारतीय पुरुष फ्रीस्टाइल पहलवानों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। शुक्रवार को मुकाबले में उतरे पांचों भारतीय पहलवान पदक की दौड़ तक नहीं पहुंच सके। वैभव पाटिल को 61 किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में रोमानिया के गैबियल व्हिसेनहंट के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 0-11 से हार का सामना करना पड़ा तो वहीं 74 किग्रा वर्ग में आदर्श पाटिल को अंतिम-16 के मुकाबले में जापान के तोकी ओगावाल ने 6-4 से हराकर प्रतियोगिता से बाहर कर दिया। अमित का अभियान 86 किग्रा वर्ग में अंतिम-16 में समाप्त हो गया।

जयवर्धने ने छोड़ा मुंबई इंडियंस का साथ

मुंबई। श्रीलंका के दिग्गज खिलाड़ी महेला जयवर्धने ने मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। फ्रेंचाइजी ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। जयवर्धने जब पहली बार मुंबई के मुख्य कोच बने थे तब उनकी टीम ने तीन खिताब जीते थे। उन्होंने इसके बाद 2025 के सत्र से पहले फिर से मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाली। इससे पहले उन्होंने 2017 से 2022 तक मुंबई को कोचिंग दी थी।' मुंबई इंडियंस की मालिक नीता अंबानी ने कहा, 'महेला ने वर्षों से मुंबई इंडियंस में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका शांतचित्त रहकर नेतृत्व करना, ईमानदारी और खेल के प्रति गहरा लगाव हमारे लिए बहुत मायने रखता है। मैं मुंबई इंडियंस के परिवार की तरफ से महेला का उनके वर्षों के अमूल्य योगदान और अटूट प्रतिबद्धता के लिए आभार व्यक्त करती हूं।'

रणजी ट्रॉफी का दूसरा दौर आज से कप्तान गिल पर रहेंगी निगाहें

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

वनडे कप्तान शुभमन गिल की पंजाब की तरफ से रणजी ट्रॉफी में वापसी रविवार से देशभर में शुरू होने वाले इस घरेलू प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट के दूसरे दौर का मुख्य आकर्षण होगी। गिल पंजाब के पहले दौर के मैच में नहीं खेल पाए थे। उनकी अनुपस्थिति में भारत की अंडर19 टीम के पूर्व कप्तान उदय सहारन ने टीम की कप्तानी की। इस मैच में पंजाब ने असम के खिलाफ पहली पारी में बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किए थे।

सत्र के दूसरे दौर में पंजाब का सामना छत्तीसगढ़ से होगा। गिल का हाल में प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे श्रृंखला में 334 रन बनाए। गिल ने दूसरे वनडे में 133 गेंदों पर नाबाद 223 रन बनाए और इस प्रारूप में सबसे तेज दोहरा शतक का रिकॉर्ड अपने नाम किया था। ग्रुप बी के एक अन्य मुकाबले में कर्नाटक ऑलराउंडर श्रेयस गोपाल के नेतृत्व में अलूर में सौराष्ट्र का सामना करेगा। इस मैच में उसे बल्लेबाज रविचंद्रन स्मरण की कमी खलेगी, जिन्हें न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया है।

ग्रुप बी में शीर्ष पर काबिज हैदराबाद की टीम आंध्र के खिलाफ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करेगी। उसने पहले मैच में त्रिपुरा को पारी और 40 रन से हराकर बोनस अंक हासिल किया था। ग्रुप डी में मुंबई की टीम हिमाचल प्रदेश के खिलाफ उपकप्तान और सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे के बिना खेलेगी, जो चोटिल हैं।

जयपुर में 6वीं इंडियन ओपन अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप

देव ने स्वर्ण जीत बनाया नया रिकॉर्ड, कुलदीप को रजत

10,000 मीटर दौड़ में लाजो सरोज ने स्वर्ण और 1500 मीटर में रितेश ओहरे ने जीता कांस्य

भोपाल

जयपुर में 16 से 18 अक्टूबर तक आयोजित 6वीं इंडियन ओपन अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मप्र अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। इनमें देव कुमार मीना ने पोल वॉल्ट में स्वर्ण और कुलदीप कुमार ने रजत पदक जीता। वहीं, अकादमी की पे एंड प्ले खिलाड़ी लाजो सरोज ने 10,000 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि रितेश ओहरे ने 1500 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतकर मध्यप्रदेश को गौरवान्वित किया।

पोल वॉल्ट में देव ने 5.30 और कुलदीप ने की 5.30 मीटर ऊंचाई पार

प्रतियोगिता के पोल वॉल्ट इवेंट में देव कुमार मीना ने 5.30 मीटर की ऊंचाई पार कर स्वर्ण पदक हासिल किया। इसी स्पर्धा में अकादमी के कुलदीप कुमार ने भी 5.30 मीटर की ऊंचाई पार करते हुए रजत पदक जीता। दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन से प्रतियोगिता में नया मीट रिकॉर्ड बना। इससे पहले इस स्पर्धा का मीट रिकॉर्ड 5.20 मीटर था।

10,000 मीटर दौड़ में लाजो सरोज का स्वर्ण पदक पर कब्जा

अकादमी की लाजो सरोज ने 10,000 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने यह दूरी 36 मिनट 26.07 सेकंड में पूरी की।

1500 मीटर दौड़ में रितेश ओहरे को कांस्य पदक

मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ी रितेश ओहरे ने 1500 मीटर दौड़ में 3 मिनट 51.78 सेकंड का समय निकालते हुए कांस्य पदक जीता।

कनॉट प्लेस में सीजेपी के 'लहरा दो तिरंगा' प्रदर्शन पर कार्रवाई

शांति बांड का उल्लंघन करने के आरोप में किया गया था गिरफ्तार, दीपके को कार्यकारी मजिस्ट्रेट कोर्ट से मिली सशर्त जमानत, फिर बांड भी भरवाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके को शनिवार को सशर्त जमानत दे दी गई और उनसे शांति बनाए रखने संबंधी बांड पर हस्ताक्षर करने को कहा गया। दीपके को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया था। शुक्रवार को कनॉट प्लेस में सीजेपी के 'लहरा दो तिरंगा' प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली के झंडेवालान स्थित घर से बाहर निकलते ही दीपके को हिरासत में ले लिया गया था। उन्हें 10 अक्टूबर को दिए गए शांति बांड का उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि शांति बांड में दिए गए आश्वासन के आधार पर उन्हें छोड़ दिया गया। हम आगे की जानकारी के लिए लिखित आदेश का इंतजार कर रहे हैं।

दीपके को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया था। कनॉट प्लेस में सीजेपी के 'लहरा दो तिरंगा' प्रदर्शन में शामिल होने दिल्ली के झंडेवालान स्थित घर से बाहर निकलते ही दीपके को हिरासत में ले लिया गया था।

सीजेपी प्रदर्शन को लेकर दिल्ली पुलिस ने दर्ज की कई एफआईआर

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर किए थे विरोध प्रदर्शन

शांति बांड में दिए गए आश्वासन के आधार पर उन्हें छोड़ दिया गया

रिहा होने के बाद सीजेपी प्रमुख दीपके ऐसे दिखे

दिल्ली पुलिस ने सीजेपी के लहरा दो तिरंगा मार्च को लेकर शुक्रवार को कई एफआईआर दर्ज किए हैं। यह विरोध प्रदर्शन कनॉट प्लेस पर मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर किए गए थे। पुलिस ने बीएनएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा के कथित उल्लंघन और लोक सेवकों को उनके कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोकने के आरोप लगाए हैं। हालांकि एफआईआर के सटीक संख्या या मामलों में लागू सभी प्रावधानों का खुलासा नहीं किया है। ये विरोध प्रदर्शन के मामले सीजेपी और अन्य विपक्षी पार्टियों द्वारा एसआईआर प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी के विरोध में आयोजित प्रदर्शनों से जुड़े हैं। पुलिस के अनुसार शुक्रवार को सेंट्रल पार्क और पालिका बाजार के आसपास भीड़ जमा होने पर 150 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया गया है।

यूट्यूबर राठी के खिलाफ जमानती वारंट जारी

दिल्ली की साकेत कोर्ट ने शनिवार को यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ 2018 के मानहानि मामले में जमानती वारंट जारी किया है। यह मामला विकास संस्कृत्यायन की शिकायत से जुड़ा है। आरोप है कि ध्रुव राठी ने 'बीजेपी इट सेल पार्ट-2' नाम से एक वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित किया। वीडियो में उनके खिलाफ कई झूठे और मानहानि करने वाले आरोप लगाए गए थे।

दीपावली से पहले भरेगी हुंकार, 1 नवंबर को करेगी विरोध प्रदर्शन

कांग्रेस को मिली रामलीला मैदान में प्रदर्शन की परमिशन

जंतर-मंतर को अधिकृत प्रोटेस्ट साइट से हटाए जाने के बाद रामलीला मैदान अब नया आंदोलन स्थल बनने जा रहा है। केंद्र सरकार ने रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और सीबीडी मैदान को प्रोटेस्ट साइट के लिए अधिकृत किया है। अब दिवाली से पहले कांग्रेस रामलीला मैदान में बड़ा प्रदर्शन करने जा रही है। दरअसल कांग्रेस को रामलीला मैदान में प्रदर्शन की परमिशन मिल गई है। दिल्ली सेंट्रल पुलिस के डीसीपी रोहित राजबीर सिंह ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि अब रामलीला मैदान, सीबीडी ग्राउंड और बुराड़ी ग्राउंड को प्रदर्शन स्थलों के रूप में तय किया गया है। इसी सिलसिले में कांग्रेस ने जगह की उपलब्धता जानने के लिए एमसीडी से संपर्क किया है। एमसीडी ने बताया कि यह जगह 25 अक्टूबर से 3 नवंबर तक उपलब्ध रहेगी।

कांग्रेस को एनओसी मिला एमसीडी जाएंगे

डीसीपी ने बताया कि उनसे बातचीत करने और सुरक्षा इंतजामों को समझने के बाद हमने कांग्रेस को 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' देने का फैसला किया। हमने आज यह सर्टिफिकेट जारी कर दिया है। अब वे इसे लेकर एमसीडी के पास जाएंगे, जो इस जमीन की मालिक एजेंसी है और फिर तैयारियां शुरू करेंगे।

पुलिस ने शेयर किया वीडियो

लहरा दो तिरंगा' मार्च में महिला ने मिलिट्री जवान को जड़ा थप्पड़

दिल्ली में 'लहरा दो तिरंगा' मार्च के दौरान हंगामे का एक वीडियो सामने आया है। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को वीडियो जारी किया। इसमें शुक्रवार शाम पालिका बाजार के पास प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों और अर्धसैनिक बलों के जवानों के साथ कथित मारपीट की घटना दिखाई गई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक राजीव चौक मेट्रो स्टेशन

के गेट नंबर 6 के पास एक महिला ने अर्धसैनिक बल के जवान को थप्पड़ मारा। बताया जा रहा है कि महिला खुद को यूट्यूबर बता रही थी। यह मार्च सीजेपी ने अपने दो सदस्यों की गिरफ्तारी के विरोध में बुलाया था। अब दिल्ली पुलिस वीडियो फुटेज की जांच कर रही है और घटना में शामिल लोगों की पहचान करने की कोशिश में जुटी है।

रिहा होने के बाद बोली नेहा

कृपया... भारत के लोगों को बख्श दीजिए

ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा को दिल्ली पुलिस ने हिरासत से रिहा कर दिया है। पुलिस ने नेहा बोरा को शुक्रवार को प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया था। रिहा होने के बाद नेहा बोरा ने दिल्ली पुलिस और केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था की हर तरह से धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। आम नागरिकों के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है, जैसे वे कोई शातिर अपराधी हों। इस देश में लंबे समय से ऐसा होता आया है। बोरा ने कहा कि पुलिस पूरे देश में अराजकता और अव्यवस्था फैला रहे हैं। कृपया भारत के लोगों को बख्श दीजिए।

छबर संक्षेप

शिमला जिले में 4.1 तीव्रता का भूकंप

शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में शनिवार तड़के 4.1 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के झटके राज्य की राजधानी शिमला से लगभग 130 किलोमीटर दूर रामपुर क्षेत्र में महसूस किए गए। तड़के करीब 4. 36 बजे पर कुछ सेकंड तक भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में था।

कर्नाटक महिला कांग्रेस अध्यक्ष का इस्तीफा

बेंगलुरु। कर्नाटक प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सौम्या रेड्डी ने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा को पत्र लिखकर इस्तीफा स्वीकार करने का अनुरोध किया। 20 अगस्त को पत्र में सौम्या ने कहा कि उन्होंने यह जिम्मेदारी 2 साल के लिए स्वीकार की थी। कार्यकाल को सम्मान बताया।

ओडिशा छात्रसंघ चुनाव में भी एबीवीपी का डंका

भुवनेश्वर। ओडिशा में 8साल बाद हुए छात्र संघ चुनावों में एबीवीपी ने कई प्रमुख पदों पर बड़ी संख्या में जीत दर्ज की है। राज्य के 346 कॉलेजों में अध्यक्ष पद पर 208, उपाध्यक्ष पद पर 214, महासचिव पद पर 221 और सहायक महासचिव पद पर 199 एबीवीपी उम्मीदवार जीते हैं। इस जीत के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एबीवीपी को बधाई दी है।

गांधीनगर में प्लास्टिक फैक्टरी में भीषण आग

गांधीनगर। गुजरात के गांधीनगर जिले के कलोल तालुका में शनिवार सुबह एक प्लास्टिक बनाने वाली फैक्टरी में भीषण आग लग गई। आग बुझाने का अभियान 8घंटे से अधिक समय तक जारी रहा, लेकिन काबू नहीं पाया जा सका था। अधिकारियों के मुताबिक, अब तक किसी के घायल होने या जान जाने की सूचना नहीं है।

सीजेआई ने बेंगलुरु में कॉन्वोकेशन में स्टूडेंट को किया संबोधित

संस्थान में उथल पुथल चल रही थी

अनिश्चितता के बीच बाहरी ताकतों की वजह से लगा यह 'मौका' शायद न आए

सीजेआई सूर्यकांत की यह टिप्पणी हाल के हफ्तों में संस्थान के आस-पास चल रही उथल-पुथल के बीच आई है। लेकिन, ऊहापोह के बावजूद 34वां सालाना कॉन्वोकेशन तय समय पर हुआ।

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

सीजेआई और नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू) के चांसलर, जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि कुछ बाहरी ताकतों की वजह से अनजाने और दुर्भाग्यपूर्ण हालात ने 34वें सालाना कॉन्वोकेशन को लेकर अनिश्चितता पैदा कर दी थी। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ समय के लिए ऐसा लगा कि यह मौका शायद वैसा न हो जैसा हमने उम्मीद की थी। बेंगलुरु में कॉन्वोकेशन में ग्रेजुएट हो रहे स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए सीजेआई ने कहा कि कुछ बाहरी ताकतों की वजह से कुछ अनचाही और दुर्भाग्यपूर्ण हालात अपने साथ अनिश्चितता की भावना लेकर आए और कुछ समय के लिए ऐसा लगा कि यह मौका शायद वैसा न हो जैसा हमने उम्मीद की थी। सीजेआई की यह टिप्पणी हाल के हफ्तों में संस्थान के आस-पास चल रही उथल-पुथल के बीच आई है। अनिश्चितता के बावजूद 34वां सालाना कॉन्वोकेशन तय समय पर हुआ। फैकल्टी मेंबर्स, जाने-माने लोगों और ग्रेजुएट्स के परिवारों की मौजूदगी में डिग्री दी।

फैकल्टी मेंबर्स और ग्रेजुएट्स के परिवारों की मौजूदगी में डिग्री दी

कार्यक्रम के पहले राज्यपाल और मुख्यमंत्री के साथ सीजेआई

आपके फैसले न्याय के बड़े ढांचे में योगदान देंगे

उन्होंने कहा कि कानून, जैसा कि आप जल्द ही अपने जीते-जागते रूप में देखेंगे, रुका हुआ नहीं है। यह सांस लेता है, और इसे मानने वालों के दिमाग और कामों से विकसित होता है। आप जिन मामलों में बहस करते हैं, जो कॉन्ट्रैक्ट आप बनाते हैं, जो सलाह आप देते हैं और जो फैसले आप लिखते हैं, वे सभी हमारे देश में न्याय के बड़े ढांचे में योगदान देंगे।

लॉ के छात्रों से सीजेआई ने कहा

कानूनी पेशा कमजोर दिल वालों के लिए नहीं, समाज के लिए भी काम करें

सीजेआई ने छात्रों से न्याय कायम रखने, स्वतंत्रता की रक्षा करने और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि कानूनी पेशे में साहस, ईमानदारी और उन लोगों की बात सुनने की क्षमता जरूरी है, जिनकी आवाज अक्सर अनसुनी रह जाती है। सीजेआई ने कहा कि कानूनी शिक्षा केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसका उद्देश्य छात्रों को अलग-अलग विचारों और नजरियों को समझने तथा समाज की सेवा करने के लिए तैयार करना भी है।

न्याय के लिए साहस और संवेदनशीलता जरूरी

कानूनी पेशे की जिम्मेदारियों पर जोर देते हुए सीजेआई ने कहा कि इसके लिए कानूनों और अदालती फैसलों की जानकारी होना ही पर्याप्त नहीं है। न्याय के पक्ष में खड़े होने का साहस और उन लोगों की चिंताओं को समझने की विनम्रता भी जरूरी है, जिनकी बातों पर ध्यान नहीं होता।

दिल्ली हाईकोर्ट के पास सड़कों की खराब हालत पर भड़के सुप्रीम कोर्ट के जज

तो हम धरने पर बैठ जाएंगे, जब तक काम नहीं होगा...

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली हाई कोर्ट के पास सड़क सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं को लेकर केंद्र सरकार पर तंज कसा। कोर्ट ने अधिकारियों की फटकार लगाई। अल्टीमेटम दिया। कोर्ट ने कहा कि अगर 25 नवंबर तक ठोस कदम नहीं उठाए गए तो हम खुद हाई कोर्ट के मुख्य गेट के पास धरने पर बैठ जाएंगे।

काम पूरा होने तक धरने पर बैठेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों की फटकार लगाते हुए कहा कि अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो हम दोनों (जेबी पारदीवाला और केवी विनोद चंद्रन) दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य गेट पर बैठ जाएंगे और तब तक घर नहीं जाएंगे, जब तक आप काम पूरा नहीं कर लेते । यह भी पक्का है हम आपकों भी घर नहीं जाने देंगे।

किरेन रिजिजू ने की तारीफ

ओवैसी ने साफ कर दिया 'भारत-विरोधी गिरोह कौन?

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में बयान देते हुए एलन मस्क को लेकर एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने टिप्पणी की। इस पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने ओवैसी की तारीफ करते हुए कहा कि ओवैसी भारत के राष्ट्रीय हित से जुड़े मुद्दों पर समझदारी बातें करते हैं, हालांकि हम उनकी कट्टर मुस्लिम-केंद्रित नीतियों का विरोध करते हैं। अगर विपक्ष के कुछ नेता हमारी बात नहीं सुनना चाहते तो उन्हें ओवैसी से सीखना चाहिए।

देश और संवैधानिक पद का अपमान बर्दाश्त नहीं: ओवैसी

ओवैसी ने मस्क के बयान पर कहा कि कोई गोरा हमें हुक्म नहीं दे सकता। नरेंद्र मोदी से मेरी 100 मतभेद हो सकती हैं, लेकिन मैं देश और संवैधानिक पद का अपमान बर्दाश्त नहीं करूंगा। हमें दुनिया में सबसे सस्ता डेटा मिल रहा है। जब मस्क ने सवाल उठाया, तो ओवैसी ने किसी विदेशी व्यवसायी को देश में शर्तें तय करने देने के बीच का फर्क समझा दिया। ओवैसी का यह रुख राहुल गांधी के रुख से एकदम अलग था।

एसआईआर पर स्टालिन का कांग्रेस पर हमला

बिहार विवाद और सोरेन के अलग होने की दिलाई याद

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और डीएमके के प्रमुख एमके स्टालिन ने एसआईआर के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों का खुलकर समर्थन किया है। हालांकि, उन्होंने न केवल चुनाव आयोग को आड़े हाथों लिया, बल्कि कांग्रेस पर भी जोरदार राजनीतिक हमला बोला है। डीएमके ने एसआईआर मुद्दे पर कांग्रेस के रवैए को दोहरा करार दिया है और विपक्षी गठबंधन के अंदर मौजूद खींचतान को एक बार फिर बाहर ला दिया है। चेन्नई में आयोजित डीएमके संसदीय दल की बैठक की अध्यक्षता करते हुए स्टालिन ने पार्टी के रुख को स्पष्ट किया। इस बैठक में 4 प्रमुख प्रस्ताव पारित किए।

महाराष्ट्र एफडीए ने की बड़ी कार्रवाई

48 लाख का एक्सपायर्ड खाद्य समान जब्त, 10 पर मामला दर्ज

एजेंसी ▶▶ ठाणे

महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने एक्सपायर हो चुके खाद्य उत्पादों की बिक्री के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान 48 लाख रमूल्य का खाद्य स्टॉक जब्त किया है। पुलिस ने रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, रिलायंस रिटेल, ब्लिंकइट और जोमैटो के हाइपरप्योर के अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह जानकारी शनिवार को सामने आई।

रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स रिटेल, जोमैटो ब्लिंकइट शामिल

ठाणे के शांति नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर में 10 लोगों के नाम शामिल हैं। इनमें रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, रिलायंस रिटेल, ब्लिंकइट और जोमैटो हाइपरप्योर से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी, साथ ही डिस्पोजल एजेंसी चलाने वाले और स्थानीय सप्लायर शामिल हैं। यह एफआईआर 'खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006' और 'भारतीय न्याय संहिता, 2023' की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज की गई है।

शिवराज ने की 'खेत बचाओ अभियान' की तैयारियों की समीक्षा

यह औपचारिकता न बने, किसानों तक पहुंचे वास्तविक लाभ

नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज आगामी 'खेत बचाओ अभियान' की तैयारियों को लेकर विभिन्न राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ वर्चुअल बैठक की। यह अभियान 22 अक्टूबर से 30 नवंबरतक आयोजित किया जाएगा। बैठक में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात, उत्तराखंड, राजस्थान, असम, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, बिहार और महाराष्ट्र के कृषि मंत्रियों ने भाग लिया। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव शअतिश चंद्रा तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट भी थे।

खास बातें

- 22 अक्टूबर से 30 नवंबर तक चलेगा अभियान
- सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का किया आह्वान
- हर स्तर पर नियुक्त किए जाएं नोडल अधिकारी

बैठक में लक्ष्यों पर चर्चा की

बैठक में अभियान के उद्देश्यों, प्रमुख गतिविधियों, कार्यान्वयन की रणनीति और जनभागीदारी से जुड़े लक्ष्यों पर विस्तार से चर्चा की। अभियान का उद्देश्य किसानों के बीच उन्नत कृषि पद्धतियों, संसाधनों के कुशल उपयोग, टिकाऊ खेती तथा केंद्र सरकार की विभिन्न किसान-केंद्रित योजनाओं के संबंध में व्यापक जागरूकता पैदा करना है। जमीनी स्तर पर व्यापक जनसंपर्क सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

समयबद्ध कार्यान्वयन की व्यवस्था करें

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अभियान की शुरुआत प्रभावी ढंग से होनी चाहिए और इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी की जानी चाहिए। उन्होंने जिला कलेक्टरों को भी अभियान के सुचारु आयोजन और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक निर्देश देने का आह्वान किया।

प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया से किसानों को जोड़ें

उन्होंने कहा कि जो लोग प्रत्यक्ष रूप से कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकते, उन्हें प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से अभियान से जोड़ने के प्रयास किए जाने चाहिए, ताकि अधिक से अधिक किसानों तक पहुंच सुनिश्चित हो। अभियान में कृषि उत्पादकता बढ़ाने, टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करने सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उठाने के लिए जागरूक करने की गतिविधियां की जाएंगी।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए , मुद्रक ताराचन्द कुमावत, महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नंबर 17, मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर (राज.) 302012 से मुद्रित व 1003, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली राजस्थान 306401 से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा)। समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No.: RJMUL/26/A4290, प्रबंध सम्पादक- प्रदीप सिंह, मो.नं. 9983831415